Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 202
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,20 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

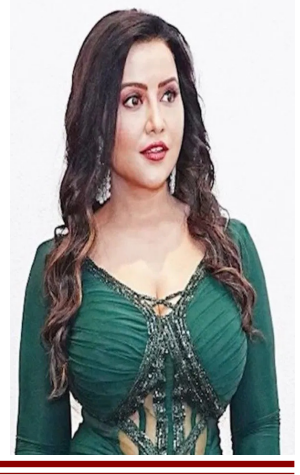

2 ट्रेलर-ऑटो की टक्कर में दो युवक घायल

4 क्या रहमान सरकार में सुधरेंगे भारत-बंगलादेश

7 एक्टिंग में डेब्यू के सवाल पर क्या बोलीं

एआई क्रांति का नया दौर: पीएम मोदी ने पेश किया 'मानव' विजन

एआई को मानवता का वरदान बनाएंगे, दुरुपयोग से बचाएंगे

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई को समूची मानवता के इतिहास में बदलाव की बड़ी क्रांति और सकारात्मक शक्ति बताते हुए कहा है कि इसका सकारात्मक और जिम्मेदाराना इस्तेमाल मानवता की भलाई के लिए वरदान है लेकिन इसका दुरूपयोग विनाश का कारण बन सकता है। उन्होंने एआई के बारे में भारत का दृष्टिकोण 'मानव' भी प्रस्तुत किया जो इसके नैतिक, जवाबदेह , संप्रभु और कानूनी स्वरूप की रूपरेखा का उल्लेख करता है। उन्होंने कहा कि भारत का यह विजन 21 वीं सदी में मानवता के कल्याण की अहम कड़ी बनेगा। पीएम मोदी ने गुरु को यहां 'इंडिया एआई इम्पैक्ट 'सम्मेलन में दुनिया भर के प्रमुख एआई विशेषज्ञों, अनेक देशों के राष्ट्रध्यक्षों, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव इतिहास में कुछ सदी के बाद निर्णायक मोड़ आता है जो सभ्यता की दिशा तय करता है,

जिससे सोचने का दृष्टिकोण बदलता है। उन्होंने कहा कि शुरू में उसके प्रभाव का अंदाजा भी नहीं होता लेकिन बाद में यही सभ्यता का आधार बनता है। उन्होंने प्राचीन इतिहास के कई पड़ावों का उदाहरण देते हुए कहा कि ए आई मानव इतिहास में बदलाव की क्रांति है इससे मशीनों को बुद्धिमान बनाकर मानव सामर्थ्य को बढाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन पड़ावों की बात करें तो अंतर इतना है कि इस बार बदलाव की तेजी तथा इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए हमें विजन और जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी निभानी है। पीएम मोदी ने कहा कि कई बड़े सवाल हैं जैसे आने वाली पीढियों के हाथों में हम ए आई का क्या स्वरूप सौंप कर जायेंगे और इससे भी बड़ा सवाल यह है कि वर्तमान में हम एआई के साथ क्या करते हैं। उन्होंने परमाणु ऊर्जा का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने इसका विनाश भी देखा और अब मानवता के लिए इसका सकारातमक योगदान भी देख रहे हैं। ऐसे ही ए आई भी सकारात्मक शक्ति है यदि यह दिशाहीन हुई तो विनाश और इसे सही दिशा मिली तो यह वरदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई को 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के दृष्टिकोण से देखता है और यही हमारा मानदंड है। उन्होंने कहा, ₹ध्यान देने की बात यह है कि इंसान एआई के लिए केवल डेटा और कच्चा माल तक सीमित न रह जायें। इसलिए एआई का लोकतांत्रिकरण करना होगा, इसे समानता का माध्यम बनाना होगा, गलोबल साउथ पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा ₹ उन्होंने कहा कि एआई को खुली छूट देनी होगी लेकिन नियंत्रण भी हाथ में रखना होगा, जिस दिशा में हम लेकर जायेंगे वैसा ही भविष्य तय होगा। पीएम मोदी ने एआई के लिए भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए ' मानव' विजन भी प्रस्तुत किया। इसका मतलब एआई के इस्तेमाल का मूल नैतिकतापूर्ण प्रणाली, जवाबदेह शासन, राष्ट्रीय संप्रभुता, सुगम तथा समावेशी और वैध तथा कानूनी ढांचा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का यह 'मानव' विजन 21 वीं सदी में मानवता के कल्याण की अहम कड़ी बनेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को एआई में भाग्य और भविष्य दिखता है।

बीजापुर में सुरक्षाबलों की कार्रवाई, मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर, 214 ठिकाने ध्वस्त होने की सूचना

बीजापुर: बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। यह कार्रवाई जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। यह कार्रवाई जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जंगल क्षेत्र में नक्सलियों ने पहले सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू की थी। इसके जवाब में जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मौके पर ही ढेर हो गए। सुरक्षाबलों को इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। 214 नक्सली ठिकानों और बंकरों को ध्वस्त करने की भी जानकारी मिल रही है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। यह कार्रवाई नक्सलियों के नेटवर्क को कमजोर करने में सहायक सिद्ध हो रही है। नक्सलियों की मौजूदगी की मिली थी सूचना सुरक्षाबलों को बीजापुर के जंगल क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद जवानों ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान ही नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने अपनी रणनीति के तहत जवाबी कार्रवाई की और नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस मुठभेड़ में पांच खूंखार नक्सली मारे गए, जिससे क्षेत्र में शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी। नक्सल विरोधी अभियान की सफलता बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों का नक्सल विरोधी अभियान तेज गति से चल रहा है।

सार संक्षेप

बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में दोषियों को मिली सजा, 18 साल बाद आजीवन कारावास

बलिया। जिले की एक स्थानीय अदालत ने खादीपुर मल्लाही चक गांव में हुए बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड के 18 वर्ष पुराने मामले में एक आरोपी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 11 अगस्त 2007 को बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के खादीपुर मल्लाही चक गांव में शैलेश कुर्मी नामक व्यक्ति ने पुलिस से मुखबिरी करने का शक होने पर राधा किसुन और स्वामी नाथ नाम के व्यक्तियों की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में लक्ष्मण साहनी की तहरीर पर शैलेश कुर्मी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश ज्ञान प्रकाश तिवारी ने मुकदमे की सुनवाई करते हुए बुधवार को शैलेश को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 25 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला, आईटी स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ खुला। सुबह 9.23 पर सेंसेक्स 114 अंक या 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,861 और निफ्टी 39 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,859 पर था। शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार को संभालने का काम आईटी शेयर कर रहे थे। इस कारण निफ्टी आईटी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सूचकांकों में टॉप गेनर था। निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑटो, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।दूसरी तरफ निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी हल्की तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 16 अंक की तेजी के साथ 17,255 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 11 अंक की मामूली तेजी के साथ 60,199 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एचयूएल और भारती एयरटेल गेनर्स थे। इंडिगो, एशियन पेंट्स, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बीईएल, ट्रेंट और बजाज फिनसर्व लूजर्स थे।

पीएसएलवी विफलता की जांच करेंगे प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार व पूर्व इसरो चेयरमैन

चेन्नई। केन्द्र सरकार ने देश के रणनीतिक उपग्रह को ले जा रहे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) रॉकेट की हालिया विफलता की जांच के लिए दो सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन होंगे, जबकि अंतरिक्ष विभाग के पूर्व सचिव और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ सह-अध्यक्ष के रूप में शामिल होंगे। दिलचस्प बात यह है कि समिति के गठन से कुछ समय पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) का दौरा किया था। उल्लेखनीय है कि 12 जनवरी 2026 को इसरो का पीएसएलवी-सी62 रॉकेट देश के रणनीतिक हाइपरस्पेक्ट्रल उपग्रह श्अवनेशाश तथा ईओएस-एन1 ले जाते हुए मिशन के दौरान विफल हो गया था। ईओएस-एन1 के साथ भारतीय और विदेशी संस्थाओं के 15 अन्य छोटे उपग्रह भी नष्ट हो गये। अंतरिक्ष विभाग के सचिव और इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने पहले बताया था कि रॉकेट के पहले दो चरण सामान्य रहे, लेकिन तीसरे चरण के प्रदर्शन के अंतिम हिस्से में गड़बड़ी आई और इसके कारण उड़ान पथ में विचलन हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, इसरो की एक आंतरिक समिति पहले से ही उड़ान डेटा का विश्लेषण कर रही है। पीएसएलवी चार चरणों वाला प्रक्षेपण यान है, जिसमें पहले और तीसरे चरण में ठोस ईंधन तथा दूसरे और चौथे चरण में द्रव ईंधन का उपयोग होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पीएसएलवी-सी62 की विफलता मई 2025 में हुए पीएसएलवी-सी61 मिशन की तरह ही प्रतीत होती है, जिसमें तीसरे चरण के दौरान समस्या आई थी और रॉकेट पथ से भटक गया था। यह पीएसएलवी-सी62 विफलता उन लगातार तीन असफलताओं में शामिल है, जो भारत के रणनीतिक हितों से जुड़े उपग्रह अभियानों को प्रभावित कर चुकी हैं। जनवरी 2025 में एनवीएस-02 नेविगेशन उपग्रह को जीटीओ कक्षा में स्थापित तो किया गया, लेकिन उसका पायरो वाल्व न खुलने के कारण वह आगे की कक्षा में नहीं जा सका। अभी तक एनवीएस-02 विफलता पर गठित विफलता विश्लेषण समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है, जो इसरो की पूर्व परंपरा से अलग है। अंतरिक्ष क्षेत्र के एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ष्एक बार दुर्घटना हो सकती है, दूसरी बार विफलता, लेकिन तीसरी बार? यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों करोड़ रुपये की लागत वाले अभियानों में विफलता के बावजूद जवाबदेही और जिम्मेदारी तय न होना गंभीर मुद्दा है। नई समिति से उम्मीद की जा रही है कि वह पीएसएलवी-सी62 विफलता के कारणों का गहराई से विश्लेषण कर ठोस निष्कर्ष प्रस्तुत करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

स्वामी नहीं ठाकुर कहिए! पीएम मोदी के संबोधन पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामकृष्ण परमहंस की जन्मतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें स्वामी कहकर संबोधित करने पर कड़ा ऐतराज जताया है। ममता बनर्जी ने इसे बंगाल की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक महापुरुषों के प्रति प्रधानमंत्री की सांस्कृतिक असंवेदनशीलता करार दिया। गुरुवार को रामकृष्ण परमहंस की जन्मजयंती के अवसर पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी, जिसमें उन्होंने संत के नाम के आगे स्वामी शब्द का प्रयोग किया। इसी बात को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ममता बनर्जी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि रामकृष्ण परमहंस को पारंपरिक रूप से ठाकुर (अर्थात ईश्वर) के रूप में पूजा जाता है। स्वामी शब्द का प्रयोग उनके संन्यासी शिष्यों के लिए किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रामकृष्ण मिशन की पवित्र त्रिमूर्ति ठाकुर-मां-स्वामीजी के रूप में जानी जाती है। यहाँ ठाकुर श्री रामकृष्ण हैं, मां मां शारदा हैं और स्वामीजी स्वामी विवेकानंद हैं'। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से आग्रह करती हूं कि वे बंगाल के उन महान पुनर्जागरण नायकों के लिए नए उपसर्ग और प्रत्यय न खोजें, जिन्होंने आधुनिक भारत को आकार दिया है। इससे पहले दिन में पीएम मोदी ने हिंदी में ट्वीट कर श्रद्धांजलि दी थी, स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जन्म-जयंती पर उन्हें सादर नमन।

कच्चाथीवू द्वीप पर फिर विवाद: तमिलनाडु के 22 मछुआरों को श्रीलंका नौसेना ने किया गिरफ्तार, सीएम स्टालिन ने केंद्र से मांगी मदद

चेन्नई। श्रीलंका नौसेना ने एक ताजा घटनाक्रम में पाक जलडमरूमध्य के निकट गहरे समुद्र में मछली पकड़ रहे तमिलनाडु के 22 मछुआरों को गुरुवार तड़के गिरफ्तार किया। रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के रहने वाले ये मछुआरे बुधवार रात समुद्र में गये थे। उन पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंका के प्रादेशिक जल में मछली पकड़ने का आरोप है। गिरफ्तारी कच्चाथीवू द्वीप के समीप की गयी और उनकी चार मशीनीकृत नौकाएं भी जब्त कर ली गयीं। गिरफ्तारी के बाद मछुआरों और नौकाओं को श्रीलंका के कंकेसनतुरै ले जाया गया, जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है। तमिलनाडु के मछुआरों की लगातार हो रही गिरफ्तारियों से उनके परिवारों और मछुआरा समुदाय में गहरा आक्रोश है। मछुआरा संगठनों ने इस दीर्घकालिक समस्या के स्थायी समाधान और कूटनीतिक हस्तक्षेप की मांग दोहरायी है। यह घटना दो दिन पहले नागपट्टिनम, मयिलादुथुरै और पुदुचेरी के कराईकल क्षेत्र के 25 मछुआरों की गिरफ्तारी के बाद सामने आई है। उन्हें भी आईएमबीएल पार करने के आरोप में पकड़ा गया था और कंकेसनतुरै नौसैनिक शिविर ले जाकर मत्स्य विभाग को सौंपा गया था। गिरफ्तार मछुआरों में 12 नागपट्टिनम, तीन मयिलादुथुरै और 10 कराईकल के थे। पिछले कुछ महीनों में भी इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी के आरंभ और मध्य में भी कई मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने केन्द्र सरकार से बार-बार अपील की है कि गिरफ्तार मछुआरों की रिहाई कूटनीतिक माध्यमों से सुनिश्चित की जाए और दोनों देशों के बीच संयुक्त कार्यदल की बैठक बुलाकर इस जटिल मुद्दे का स्थायी समाधान निकाला जाए।

प्रियंका गांधी दो दिवसीय दौरे पर का असम पहुंचीं, कामाख्या मंदिर में की पूजा

गुवाहाटी। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा असम दौरे पर हैं। वह विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर राज्य पहुंचीं हैं। इस दौरान वह कामाख्या मंदिर भी दर्शन के लिए पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की। उन्होंने बताया कि वह भगवान से कुछ नहीं मांगती हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस फरवरी के अंत तक असम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है।

वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को मां कामाख्या मंदिर पहुंची थी। मंदिर के बाहर पत्रकारों ने उनसे सवाल किया, हैलो मैम, मैम आज दर्शन के लिए आईं हैं। क्या मांगेंगी भगवान से।

इसपर उन्होंने जवाब दिया, मैं कभी मांगती नहीं हूं भगवान से। इस दौरान उनके साथ असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई समेत कई नेता मौजूद थे। प्रियंका असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को गोगोई ने कहा कि पहली सूची में शामिल नामों सहित कुल 80 कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह तक कर दी जाएगी। गोगोई ने कहा, हमारा लक्ष्य चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करना है। केंद्रीय नेतृत्व ने हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि पहली सूची इस महीने के अंत तक जारी हो जाए।यहां देखें वीडियोउन्होंने आगे कहा कि मार्च के पहले सप्ताह तक लगभग 80 सीटों के लिए नामों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा और उनकी घोषणा कर दी जाएगी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर, गोगोई ने कहा कि यह निश्चित रूप से होने वाला है और इस मामले में पार्टी सत्तारूढ़ भाजपा से काफी आगे है। कांग्रेस, माकपा, रायजोर दल, असम जातीय परिषद, भाकपा, भाकपा लिबरेशन, जातीय दल-असम (जेडा) और काबी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस ने विधानसभा चुनाव एक साझा मंच से लड़ने के लिए हाथ मिलाया है। कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा था कि वाड्रा दो दिवसीय दौरे पर असम आ रहीं हैं।

एआई समिट रोबोडॉग विवाद पर चिराग पासवान सख्त, बोले-बड़ी लापरवाही, समिट के बाद होगी कार्रवाई

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एआई समिट में प्रदर्शित चीनी रोबोटिक डॉग को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे बड़ी लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि समिट समाप्त होने के बाद सरकार इस मामले में आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी। गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़ा यह विवाद इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान सामने आया, जहां एक रोबोटिक डॉग को विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा विकसित बताया गया था। बाद में स्पष्ट हुआ कि यह प्रोडक्ट चीन की कंपनी यूनिट्री रोबोटिक्स द्वारा विकसित यूनिट्री जीओ2 मॉडल है। पत्रकारों से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि किसी विश्वविद्यालय द्वारा किसी प्रोडक्ट को प्रदर्शित कर उसका स्वामित्व गलत तरीके से लेना पूरी तरह अनुचित है। यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि समिट एक वैश्विक मंच है और पूरी दुनिया की नजर इस पर रहती है। ऐसे घटनाक्रम भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने उस प्रतिनिधि के बयान का भी जिक्र किया, जिसने रोबोटिक डॉग के बारे में जानकारी दी थी। चिराग ने कहा कि वह शब्दों के चयन से स्थिति को उचित ठहराने की कोशिश करती दिखीं और बाद में इसे गलतफहमी बताया गया। जब देश में इतने बड़े स्तर का एआई सम्मेलन हो रहा हो, तब इस तरह की घटनाएं चिंता का विषय बन जाती हैं। केंद्र सरकार ने भी अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा कि ऐसे मंचों पर केवल वास्तविक और प्रमाणिक कार्यों को ही प्रदर्शित किया जाना चाहिए ।

घूसखोर पंडित विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में निमार्ता का हलफनामा, नीरज पांडे ने वापस लिया विवादित शीर्षक

नई दिल्ली। अभिनेता मनोज बाजपेयी की प्रस्तावित फिल्म घूसखोर पंडित को लेकर उठे विवाद के बीच निमार्ता नीरज पांडे ने सुप्रीम कोर्ट में अपना विस्तृत हलफनामा दाखिल किया है। हलफनामे में उन्होंने स्पष्ट किया कि फिल्म का विवादित शीर्षक वापस ले लिया गया है और अब इसका उपयोग नहीं किया जाएगा। इसके बाद शीर्ष अदालत ने उनके आश्वासन को रिकॉर्ड पर लेते हुए फिल्म के खिलाफ दायर जनहित याचिका का निपटारा कर दिया। यह विवाद फिल्म के टीजर जारी होने के बाद शुरू हुआ था, जब कुछ संगठनों ने आरोप लगाया कि फिल्म का शीर्षक एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां निमार्ताओं को शीर्षक बदलने के संकेत दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में नीरज पांडे ने कहा कि फिल्म का नया शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि घूसखोर पंडित नाम और उससे संबंधित सभी प्रचार सामग्री पहले ही वापस ली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जनता से प्राप्त आपत्तियों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए 6 फरवरी को ही फिल्म की प्रचार सामग्री हटा ली गई थी। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि भविष्य में फिल्म के लिए जो भी नया शीर्षक चुना जाएगा, वह पहले वाले शीर्षक जैसा या उससे मिलता-जुलता नहीं होगा। निमार्ता ने अपने हलफनामे में कहा, ह्न न तो मेरा और न ही मेरे प्रोडक्शन हाउस का भारत के किसी भी नागरिक की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई जानबूझकर या दुर्भावनापूर्ण इरादा था। नीरज पांडे ने अदालत को यह भी बताया कि फिल्म एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है, जो एक आपराधिक जांच की कहानी पर आधारित है। उन्होंने कहा कि फिल्म में किसी भी धर्म, जाति, समुदाय या संप्रदाय को भ्रष्ट या अपमानजनक रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है। हलफनामे में स्पष्ट किया गया कि कहानी पूरी तरह काल्पनिक है और इसे किसी वास्तविक समुदाय से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। निमार्ता ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि फिल्म किसी भी माध्यम से धार्मिक मान्यताओं या आस्थाओं का अपमान नहीं करती। यह हलफनामा उस पृष्ठभूमि में आया जब 12 फरवरी को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के शीर्षक पर कड़ी आपत्ति जताई थी। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान की पीठ ने कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि समाज के किसी वर्ग को बदनाम किया जाए।

मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर धनंजय टिंगल ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

सिद्धार्थनगर: जिले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर धनंजय टिंगल ने गुरुवार को जनपद सिद्धार्थनगर में बाल श्रम और बंधुआ श्रम की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान रेस्ट हाउस में जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं सहायक श्रम आयुक्त, एएचटीयू, जिला प्रोबेशन अधिकारी के साथ बैठक कर संबंधित विभागों से अब तक की कार्रवाई और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में स्पेशल मॉनिटर ने कहा कि बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी जैसी कुप्रथाएं मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर

कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, बचाए गए बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा एवं कौशल विकास की समुचित व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने बताया कि जनपद में समय-समय पर श्रम विभाग, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी अभियान चलाया जाता है। संदिग्ध प्रतिष्ठानों, ईंट-भट्ठों और निर्माण स्थलों की नियमित जांच की जा रही है। बाल श्रम पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही कराई जाती है और बच्चों को पुनर्वास की कार्रवाई की जाती है। पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन ने अवगत कराया कि बंधुआ श्रम की शिकायत मिलने पर तत्काल टीम द्वारा कार्यवाही की जाती है। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं बाल श्रम या बंधुआ मजदूरी की सूचना मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें। सहायक श्रम आयुक्त सचिन कुमार सिंह ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बाल श्रम निषेध कानून और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन अधिनियम की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, श्रमिकों का पंजीकरण एवं विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी जारी है। बैठक के अंत में स्पेशल मॉनिटर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विभागीय समन्वय को और मजबूत करें तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना और श्रमिकों को शोषण से मुक्त कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्पेशल मॉनिटर द्वारा अपेक्षा की गई कि बाल श्रम के मामलों में जनपद के सभी अधिकारी संवेदनशील रहें और अपने दायित्वों का निर्वहन करें, उनके द्वारा अपेक्षा की गई कि बीडीओ, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी भी बाल श्रम के मामलों में निरीक्षक घोषित हैं। अतः इनके द्वारा भी बाल श्रम के मामलों में कार्यवाही की जाए तथा उपस्थित एनजीओ प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई कि बाल श्रमिकों का पुनर्वासन कराया जाए और उन्हें विभिन्न विभागीय योजनाओं से जोड़ा जाए, जिससे बाल श्रम से हटाए गए बच्चे पुनः बाल श्रम की तरफ न लौटें। अंत मे बाल श्रम से मुक्त कराए गए तीन बच्चों एवं एवं उनके परिजनों से स्पेशल मॉनिटर से मुलाकात भी की और उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली।

पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन द्वारा

महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम घुमची मे उप निरीक्षक अयोध्या यादव, महिला हेड कांस्टेबल नीलम शुक्ला की टीम ने बालिकाओं एवं महिलाओं को एकत्रित कर चौपाल लगाकर मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया। मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन,108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर व नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस ने स्कूली बच्चों को महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा

महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व प्रवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रामदेव थाना गोल्हौरा के निर्देशन में थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर एण्टीरोमियो चेकिंग किया गया एवं प्राथमिक विद्यालय तकियवा में बालिकाओं को जागरूक किया गया। तथा महिलाओं से संबंधित उप निरीक्षक दीनदयाल सिंह, महिला कांस्टेबल शीला पटेल ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में तथा हेल्पलाईन नं0 -1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन*108* एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

सड़क दुर्घटना रोकने के पुलिस ने वाहन चालकों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन के आदेश के अनुपालन के क्रम मे, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन मे, क्षेत्राधिकारी यातायात सुजीत राय के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी यातायात अमरेश कुमार मय टीम द्वारा साड़ी तिराहा,पावर हॉउस तिराहा,सिद्धार्थ तिराहा,पेट्रोल पम्प तिराहा,एवं कस्बा बाँसी आदि स्थानों पर

पीए सिस्टम से आम जनमानस को जागरूक किया गया तथा रात्रि मे दुर्घटना से बचाव हेतु वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के साथ-साथ सड़को के किनारे अवैध रूप से खड़े बड़े वाहनों को जिनसे दुर्घटना की प्रबल संभावना/जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी उनका ट.श. अू३ के तहत चालान कर हटवाया गया एवं आज के विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 10 वाहनों की चेकिंग की गयी जिसमे 01 वाहन का चालान करते हुए, चार पहिया वाहनों मे सीटबेल्ट का प्रयोग न करना, बिना हेलमेट वाहन चलाना, गलत दिशा मे वाहन चलाने वाले वाहनों का चालान करने समेत कुल 42 वाहनों का चालान करते हुए ?55500 रुपए शमन शुल्क की कार्यवाही करते हुए प्रत्येक दशा मे यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे होने वाली सड़क दुर्घटनाओ की संख्या मे भारी कमी लायी जा सके।

मछली फार्म के पास तालाब में 75 वर्षीय दिव्यांग का शव मिलने से सनसनी

सिद्धार्थनगर जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत शोहरतगढ़-बढ़नी राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर अग्रवाल पेट्रोल पंप के दक्षिण स्थित एक मछली फार्म के पास गुरुवार सुबह 75 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।मृतक की पहचान आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ वार्ड नंबर 7 सुभाष नगर (मेढ़वा) निवासी राम मिलन चौधरी पुत्र मोलहू चौधरी उम्र लगभग 75 वर्ष के रूप में हुई है। स्वजनों के अनुसार वह मंगलवार को घर से निकले थे जिसके बाद से उनका कोई पता

नहीं चल सका था।बताया जाता है कि गुरुवार सुबह मेढ़वा गांव के कुछ लोग अपने पालतू पशुओं को चराने गए थे। इसी दौरान तालाब में एक शव दिखाई दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान की। शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया।सूचना पाकर शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह मय टीम के साथ व नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभागार दिनेश कुमार, चिंटू, अशोक कुमार दूबे आदि ने पहुंचकर देखा कि एक वृद्ध व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। फोरेंसिक टीम को जानकारी दी। फोरेंसिक टीम पहुंचकर जांच में जुटी।पुलिस टीम शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय सिद्धार्थ नगर भेज दिया। इस संबंध में शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक मछली फार्म के पास तालाब में 75 वर्षीय दिव्यांग व्यक्ति का शव मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। इस दौरान घटनास्थल पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद दिनेश कुमार, थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह, चिंटू, अशोक कुमार दूबे, विरेन्द्र मिश्रा,बबलू यादव,भदई सहित फोरेंसिक टीम और ग्रामीण मौजूद रहे।पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

पांच ई-मेल पांच फोन नंबर और पांच लाख डिमांड के बाद बम की धमकी मामले में एटीएस की एंट्री

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बम से जिला न्यायालय और पुलिस लाइन के नंबर एक गेट को उड़ाने की धमकी के मामले में एटीएस ने जांच शुरू की है। मामले में पांच को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जौनपुर जनपद के महत्वपूर्ण संस्थानों, दीवानी न्यायालय और पुलिस लाइन के गेट संख्या एक को बम से उड़ाने की धमकी भरे पांच ई-मेल ने पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। ई-मेल में 17 फरवरी की दोपहर धमाका करने की चेतावनी दी गई थी, जिसे पुलिस महकमे ने बेहद गंभीरता से लिया है। मामले की तह तक जाने के लिए बुधवार को लखनऊ से एटीएस (एटीएस) की टीम भी जौनपुर पहुंच गई। क्या है पूरा मामला लाइन बाजार थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, धमकी देने वालों ने पांच लाख रुपये

की रंगदारी मांगी थी। ई-मेल में जिक्र किए गए पांच मोबाइल नंबरों के आधार पर पुलिस ने सरपतहां क्षेत्र से पांच बेरोजगार युवकों को हिरासत में लिया है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में ये युवक खुद को निर्दोष बता रहे हैं, लेकिन एटीएस उनके और ई-मेल भेजने वाले के बीच के कनेक्शन को खंगाल रही है। वाराणसी से आई डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ते ने पूरे न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली। जौनपुर एसपी कुंवर अनुपम सिंह के अनुसार, पांच अलग-अलग आईडी से पांच ई-मेल भेजे गए हैं। साइबर सेल और एसओजी टीमें ई-मेल कहां से आए और इन्हें किसने भेजा है, इसका पता लगा रही हैं। सुरक्षा के लिहाज से पूरे शहर में अलर्ट जारी कर दिया गया है। दीवानी न्यायालय आने वालों की ली गई तलाशी दीवानी न्यायालय में दूसरे दिन सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुआ लेकिन यहां सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। बुधवार को लोगों के बैग तक चेक किए गए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह घटना कहीं किसी आतंकी साजिश का हिस्सा तो नहीं, इसे ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसके लिए एटीएस भी आ गई, जो सरपतहां थाने गई और हिरासत में लिए गए पांच युवकों से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक अब तक की जांच में पांचों युवक भी हैरान हैं लेकिन इनके कनेक्शन ईमेल भेजने वालों से क्या हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर की गरिमामयी उपस्थिति में नवनिर्मित स्पोर्ट्स जिम का उद्घाटन फीता काट कर करते हुये अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुश्री एलियम्मा मैथ्यूज

गोरखपुर: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं संरक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा

संघ (नरसा) श्री उदय बोरवणकर की गरिमामयी उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुश्री एलियम्मा मैथ्यूज ने 19 फरवरी, 2026 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में नवनिर्मित स्पोर्ट्स जिम का उद्घाटन फीता काट कर किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, तीनों मंडल के मंडल रेल प्रबन्धक, मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी, नरसा के पदाधिकारी, खिलाड़ी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। नवनिर्मित स्पोर्ट्स जिम के उद्घाटन के अवसर पर महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने नवनिर्मित स्पोर्ट्स जिम का गहनता से अवलोकन किया तथा वहाँ लगे उपकरणों की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। स्पोर्ट्स जिम में ट्रेडमिल, वेट ट्रेनिंग सेट, चिन-अप बार, चेस्ट प्रेस, लैट पुलडाउन, साइकिल आदि उपकरण उपलब्ध कराये गये हैं। इसके उपरान्त लॉन टेनिस कोर्ट में एक मिश्रित युगल टेनिस मैच का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री तुषार कान्त पाण्डेय तथा महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल श्री सत्य प्रकाश और मंडल रेल प्रबन्धक, वाराणसी श्री आशीष जैन तथा महासचिव/नरसा एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्षों सहित मंडल रेल प्रबन्धकों ने रेलवे स्टेडियम परिसर में पौधारोपण किया। कार्यक्रम का संचालन श्री आसिफ जहीर ने किया।

2026 दिन शुक्रवार एवं शनिवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 01073/01074 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 25 एवं 26 फरवरी तथा 04 एवं 05 मार्च,2026 दिन बुधवार एवं वृहस्पतिवार को तथा बनारस से 27 एवं 28 फरवरी तथा 06 एवं 07 मार्च,2026 दिन शुक्रवार एवं शनिवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 01073 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस द्विसाप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 25 एवं 26 फरवरी तथा 04 एवं 05 मार्च,2026 दिन बुधवार एवं वृहस्पतिवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.15 बजे प्रस्थान कर थाणे से 12.36 बजे, कल्याण से 12.55 बजे, ईगतपुरी से 14.45 बजे, नासिक रोड से 15.15 बजे, जलगांव से 18.45 बजे, भुसावल से 19.15 बजे, खण्डवा से 21.00 बजे, इटारसी से 23.55 बजे, दूसरे दिन रानी कमलापति से 01.15 बजे, बीना से 08.00 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) से 10.30 बजे, उरई से 12.00 बजे, गोविन्दपुरी से 14.45 बजे, फतेहपुर से 16.20 बजे तथा सूबेदारगंज से 17.55 बजे छूटकर बनारस 23.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 01074 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 27 एवं 28 फरवरी तथा 06 एवं 07 मार्च,2026 दिन शुक्रवार एवं शनिवार को बनारस से 05.30 बजे प्रस्थान कर सूबेदारगंज से 09.45 बजे, फतेहपुर से 12.00 बजे, गोविन्दपुरी से 13.35 बजे, उरई से 15.22 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 17.30 बजे, बीना से 22.30 बजे, दूसरे दिन रानी कमलापति से 01.10 बजे, इटारसी से 02.50 बजे, खण्डवा से 05.53 बजे, भुसावल से 08.15 बजे, जलगांव से 08.50 बजे, नासिक रोड से 11.25 बजे, ईगतपुरी से 13.10 बजे, कल्याण से 15.00 बजे तथा थाणे से 15.20 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 16.40 बजे पहुंचेगी।

एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्विसाप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 24 एवं 27 फरवरी तथा 03 एवं 06 मार्च,2026 दिन शुक्रवार एवं मंगलवार को तथा गाजीपुर सिटी से 26 फरवरी तथा 01, 05 एवं 08 मार्च,2026 दिन रविवार एवं वृहस्पतिवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 01431 पुणे-गाजीपुर सिटी द्विसाप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 24 एवं 27 फरवरी तथा 03 एवं 06 मार्च,2026 दिन शुक्रवार एवं मंगलवार को पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान कर दौंड कार्ड लाइन से 08.12 बजे, अहिल्यानगर से 09.32 बजे, कोपरगांव से 11.17 बजे, मनमाड से 13.15 बजे, जलगांव से 15.25 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खण्डवा से 19.00 बजे, इटारसी से 21.10 बजे, पिपरिया से 22.12 बजे, नरसिंहपुर से 23.07 बजे, दूसरे दिन मदन महल से 00.45 बजे, कटनी से 02.55 बजे, मैहर से 04.12 बजे, सतना से 06.05 बजे, मानिकपुर से 08.05 बजे, प्रयागराज छिवकी से 10.25 बजे, वाराणसी से 15.40 बजे, जौनपुर से 17.00 बजे तथा औड़िहार से 17.55 बजे छूटकर गाजीपुर सिटी 19.05 बजे पहुंचेगी।

रेलकर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान करते हुये महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर

गोरखपुर,: 70वें रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में 19

फरवरी,2026 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुल 53 रेलकर्मियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में ट्रैक मेन्टेनर, तकनीशियन, स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, लिपिक, विभिन्न विभागों के निरीक्षक एवं सेक्शन इंजीनियर, चिकित्साकर्मी तथा अधिकारी सम्मिलित थे, जिनकी समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवा से रेल की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, उत्पादकता बढ़ी है, रेल दुर्घटनायें बचाई जा सकी हैं तथा तकनीकी सुझबूझ से अर्थिक स्वावलम्बन में बढ़ोत्तरी हुई है। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने अन्तर्मण्डलीय सर्वांगीण कार्यकुशलता शील्ड, अन्तर्मण्डलीय सौर ऊर्जा उत्पादन, सर्वोत्तम नवोन्मेषी मण्डल, अन्तर्मण्डलीय सिगनल, कार्मिक, भंडार, कर्षण ऊर्जा दक्षता, राजभाषा, वाणिज्य, इंजीनियरिंग एवं अन्तर्मण्डलीय यांत्रिक(सवारी एवं मालडिब्बा) कार्यकुशलता शील्ड लखनऊ मंडल को, अन्तर्मण्डलीय लोको अनुरक्षण शील्ड लोको शेड गोण्डा को, अन्तर्मण्डलीय जनसम्पर्क, दूरसंचार, विद्युत, सुरक्षा तथा अन्तर्मण्डलीय चिकित्सा कार्यकुशलता शील्ड वाराणसी मण्डल को तथा अन्तर्मण्डलीय संरक्षा, पर्यावरण एवं हाउस कीपिंग प्रबन्धन, लोको (परिचालन), कर्षण वितरण, लेखा, परिचालन तथा नागरिक केन्द्रीत सेवा दक्षता शील्ड इज्जतनगर मण्डल को प्रदान किया। इसके अतिरिक्त अन्य पुरस्कारों में सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्राफी (ए-। एवं ए श्रेणी) का पुरस्कार गोरखपुर जं0 को, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्राफी (बी श्रेणी) रूद्रपुर सिटी को, सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्राफी (डी एवं ई श्रेणी) का पुरस्कार इज्जतनगर को प्राप्त हुआ। सर्वोत्तम सवारी मालडिब्बा डिपो शील्ड समाडि डिपो गोण्डा को, स्वच्छता वाणिज्य कार्यकुशलता शील्ड लखनऊ मण्डल को, सर्वोत्तम व्यवस्थित कोचिंग डिपो शील्ड लालकुंआ को, प्रथम सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन का पुरस्कार सिद्धार्थनगर स्टेशन को, द्वितीय सर्वोत्तम व्यवस्थित स्टेशन का पुरस्कार वाराणसी सिटी स्टेशन को, सर्वोत्तम व्यवस्थित रनिंग रूम का पुरस्कार भटनी रनिंग रूम को, सर्वोत्तम व्यवस्थित मुख्यालय कार्यालय का पुरस्कार प्रधान वित्त सलाहकार कार्यालय,गोरखपुर को तथा सर्वोत्तम व्यवस्थित एवं साफ-सुथरा रेक का पुरस्कार 12559/12560 बनारस-नई दिल्ली-बनारस शिवगंगा एक्सप्रेस को प्राप्त हुआ। 70वें रेल सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार वितरण के अवसर पर सभी को बधाई देते हुये महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने कहा कि इस अवसर पर हम अपने समर्पित, कार्यदक्ष एवं निष्ठावान रेलकर्मियों को पुरस्कृत कर सम्मानित करते हैं, जिनके प्रयासों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से रेलवे की कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, उत्पादकता बढ़ी है तथा रेल संरक्षा के नये मानदंड स्थापित हुये हैं। महाप्रबन्धक ने कहा कि वर्ष 2024 में किये गये कार्य के लिये यह पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी ने उत्कृष्ट कार्य किये हैं। हमारे और भी रेलकर्मी अच्छा कार्य करते हैं। उनमें चुने गये कुछ रेलकर्मियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि हम अपने यात्रियों को अच्छी से अच्छी सेवा दे रहे हैं, इसके लिये पूर्वोत्तर रेलवे के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार दिये जाने का उद्देश्य है कि रेलकर्मी और उत्कृष्ट कार्य करते रहें। इसमें हम नया यह कर रहे हैं कि रेलकर्मियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा मीडिया को उनके उपलब्धियों के सम्बन्ध में बताया जा रहा है। महाप्रबन्धक ने कहा कि 40 वर्ष पूर्व गाया गया गीत ह्यइतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो नाह्य । ह्यहमे चले नेक रस्ते से होकर भूल कर भी कोई भूल हो नाह्य गीत रेल सेवा में कोई भूल न हो, के लिये प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे अपने यात्रियों को निरंतर सुरक्षित, संरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। श्री बोरवणकर ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी रेलकर्मी पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही सभी परियोजनाओं को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करते हुये रेल संचलन के प्रत्येक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करेंगे तथा पूर्वोत्तर रेलवे को नई ऊँचाई पर ले जायेंगे।

लखनऊ में मनरेगा बचाओ संग्राम, लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का सत्याग्रह

लखनऊ (संवाददाता)। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत 17 फरवरी को विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान हुए लाठीचार्ज के विरोध में आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सत्याग्रह किया गया।कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं पर भाजपा सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने लाठीचार्ज किया, जिसमें कई कार्यकर्ता और शीर्ष नेता घायल हो गए। इस घटना को लेकर कांग्रेस में आक्रोश व्याप्त है। आज सुबह 10.30 बजे पीसीसी मुख्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा पूर्व मंत्री व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले कार्यकताओं पर बल प्रयोग लोकतंत्र के खिलाफ है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मनरेगा और किसानों-श्रमिकों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। सत्याग्रह के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया।

नशा और गलत संगति युवाओं को भटका रही है

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेले में ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा नशा मुक्त भारत, स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकना और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की ज्योति बहन, डॉ. गुरचरण और बीके प्रहलाद भाई ने संयुक्त रूप से कहा कि आज के समय में नशा, तनाव और गलत संगति युवाओं को जीवन से भटका रही है। यदि मनुष्य अपने मन को मजबूत बनाकर आत्मबल बढ़ाए तो वह किसी भी नकारात्मक आदत को छोड़ सकता है। इस मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सार्वजनिक-निजी संस्थानों में नोडल अधिकारी होंगे नियुक्त

आवारा श्वानों के बढ़ते हमलों पर निगम एक्शन मोड में, 25 को सभी विभागों के साथ अहम बैठक

■ ग्वालियर

शहर में आवारा श्वानों के हमलों की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी के बाद अब नगर निगम पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। खासतौर पर पॉश इलाकों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर सामने आई हालिया घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के आधार पर एक बड़ी और सख्त पहल शुरू की है। इसके तहत अब शहर के सभी बड़े सार्वजनिक और निजी संस्थानों में आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

नगर निगम आयुक्त कार्यालय से जारी पत्र के माध्यम से शहर के

22 विभागों और संस्थानों को इस संबंध में निर्देश भेजे गए हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि 25 फरवरी को एक समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी संबंधित विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक में आवारा श्वानों की समस्या से निपटने के लिए साझा रणनीति तैयार की जाएगी।

इन जगहों पर होगी नोडल अधिकारी की नियुक्ति

- रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड
- सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र
- नगर निगम के सभी कार्यालय और संपत्तियां
- जिला प्रशासन से जुड़े कार्यालय
- पुलिस व सुरक्षा से जुड़े संस्थान
- बड़े निजी शिक्षण संस्थान (स्कूल-कॉलेज)
- निजी अस्पताल और अन्य बड़े निजी संगठन

नोडल अधिकारी की क्या होगी जिम्मेदारी?

- नगर निगम द्वारा तय की जा रही व्यवस्था के तहत नोडल अधिकारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।
- संस्थान के परिसर में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकना
- सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और नियमित निगरानी रखना
- परिसर के अंदर और आसपास कचरा न फेंके जाने की सख्त व्यवस्था
- यह सुनिश्चित करना कि कचरा खुले में न रहे, क्योंकि कचरा ही कुत्तों को आकर्षित करता है।
- संस्थान को चारों ओर से दीवार या बाड़ से सुरक्षित रखना
- श्वानों के प्रवेश को रोकने के लिए गेट, ग्रिल और सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था
- परिसर में पर्याप्त कूड़ेदान उपलब्ध कराना
- आवारा श्वानों के काटने की पिछली घटनाओं का विस्तृत रिकॉर्ड रखना
- किसी भी नई घटना की जानकारी तुरंत नगर निगम को देना

पहले संस्थानों को श्वान-मुक्त करेगा निगम फिर विभाग तय करेंगे नोडल अधिकारी

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार 25 फरवरी को होने वाली बैठक के बाद निगम की टीम एक विशेष अभियान चलाकर सभी संबंधित विभागों और संस्थानों के परिसरों को एक बार पूरी तरह श्वान-मुक्त करेगी। इसके बाद संबंधित विभागों और संस्थानों को अपने-अपने स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा। यह नोडल अधिकारी भविष्य में अपने संस्थान के परिसर में आवारा कुत्तों की रोकथाम, निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभालेंगे। निगम का मानना है कि एक बार श्वान-मुक्ति के बाद यदि नियमित निगरानी और जिम्मेदारी तय हो जाए, तो समस्या दोबारा खड़ी नहीं होगी।

22 विभागों को भेजा गया पत्र, जिम्मेदारी तय करने की तैयारी

नगर निगम आयुक्त कार्यालय से जारी पत्र जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, रेलवे, खेल विभाग, नगर निगम के विभिन्न विभागों सहित कुल 22 संस्थानों को भेजा गया है। पत्र में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया है कि आवारा श्वानों से होने वाली घटनाओं की जिम्मेदारी अब केवल नगर निगम की नहीं होगी, बल्कि संबंधित संस्थानों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी।

लाइफ सर्टिफिकेट बनाने के बहाने 9.87 लाख ठगे

■ ग्वालियर

शहर में ठग गिरोह सक्रिय हैं और वह लोगों को तरह-तरह के बहाने बनाकर अपना शिकार बना रहे हैं। शहर में आधा दर्जन की ठगी की घटनाओं में पुलिस ने अलग-अलग थानों में प्राथमिकी दर्ज की है। एक मामले में ठगों ने पहले वृद्ध का फर्जी तरीके से योनो खाता

खोला फिर एटीएम का पिन नम्बर डालने पर ही लाइफ सर्टिफिकेट बनाने का झांसा

देकर खाते से 9.87 लाख रुपए निकाल लिए। तो वहीं दो महिलाओं को पेटीएम एप पहले डिलीट कराने और फिर बाद में डाउनलोड कराने की कहकर खाते से तीन लाख रुपए खातों से निकाल लिए। इसी तरह एक अन्य महिला को टॉस्क पूरा करने के बहाने खाते से पौने चार लाख रुपए निकालकर उसके साथ ठगी कर ली। ऐसे और भी उदाहरण हैं जिसमें ठगों ने लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कई प्रकार के प्रलोभन देकर आनलाइन ठगी का शिकार बनाया है। एक युवक को क्रेडिट कार्ड बंद होने पर उसे चालू करने की कहकर उसके खाते से 98 हजार रुपए उड़ा दिए। उक्त ठगी की घटनाएं तीन से चार माह पुरानी हैं लेकिन पुलिस ने जांच के बाद अब अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ठगों की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। बता दें, जिले में साइबर ठगी की घटनाओं का शिकार अधिकारी, गृहिणी, अधिवक्ता, सैन्य अधिकार से लेकर छात्र शामिल हैं।

शहर के पांच थानों में ठगी की प्राथमिकी

ग्राम शेखपुरा चकदोष मोहम्मद थाना सुनहा बस्ती उत्तरप्रदेश हाल काल्पी ब्रिज कॉलोनी निवासी घनश्याम दत्त पुत्र रामपति शुक्ल 79 वर्ष के मोबाइल पर पिछले साल 30 दिसम्बर को ठग ने फर्जी ढंग से योनो खाता खोला और फोन लगाकर कहा कि आप अपना एटीएम पिन नम्बर डाल दीजिए तभी लाइफ सर्टिफिकेट बन पाएगा। वृद्ध ठग की बातों में आ गए और उन्होंने जैसे पिन नम्बर डाला खाते से 5 लाख दूसरी बार में 3.5 लाख और तीसरी बार में 37 हजार रुपए निकाल लिए। अभी वृद्ध अपने खाते को बंद करा पाते कि तभी ठग ने पिक्स डिजोपिट खाते से एक लाख रुपए और निकाल लिए। ठग ने वृद्ध को 9.87 लाख रुपए की चपत लगा दी। ठगी के शिकार वृद्ध ने गोला का मंदिर थाना पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस ने जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ धारा 318(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पार्ट-टाइम जॉब के बहाने महिला से 3.47 लाख ठगे

मुरार थाना क्षेत्र स्थित सीपी कॉलोनी निवासी अनीशा पत्नी निखिल सिंघल 31 वर्ष को 7 फरवरी को उन्हें टेलीग्राम ऐप पर पार्ट-टाइम जॉब का मैसेज मिला, जिसमें ज्यादा मुनाफे का लालच दिया गया। ठगों के झांसे में आकर महिला ने पहले 1 हजार 22 रुपए जैनगो ऐप के जरिए क्रिप्टो में निवेश किए, जिसके बदले 1 हजार 424 रुपए मिले। मुनाफा होने पर वह ठगों के चुंगल में फंस गई और बाद में उन्होंने रकम लगानी शुरू कर दी। ठगों ने अपने खातों में 3.47 लाख रुपए जमा कराने के बाद जब अनीशा ने पैसे निकालने का प्रयास किया तो वह सफल नहीं हो सकी। ऐप पर जब महिला ने संपर्क किया तो बताया गया कि उसकी लाभ की रकम अभी कम है और रकम निकालने के लिए और टास्क पूरे करने होंगे। महिला ने दोबारा फिर रकम को जमा किया तो मुनाफा 5 लाख 85 हजार 613 रुपए दिखने लगा। एक बार फिर रकम नहीं निकली तो महिला समझ गई कि उसे ठगी का शिकार बना लिया है।

क्रेडिट कार्ड चालू करने की कहकर 98 हजार उड़ाए

इन्दरगंज थाना क्षेत्र स्थित काजल सिनेमा के पीछे शिंदे की छावनी निवासी प्रशांत पुत्र शिवशंकर सिंह यादव 37 वर्ष को शातिर ठग ने 9 फरवरी को फोन किया और कहा कि आपका क्रेडिट कार्ड बंद हो गया है और उसे चालू करने के लिए कहा। प्रशांत के व्हाटसअप पर शातिर ठग ने एक लिंक भेजी, जैसे ही उसने लिंक को स्वीकार किया खाते से 98 हजार रुपए निकल गए। खाते से रुपए निकलते ही प्रशांत समझ गया कि उसे ठगी का शिकार बना लिया गया है। इन्दरगंज थाना पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

पेटीएम एप रद्द करने के बहाने दो महिलाओं को ठगा

विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र स्थित सिटी सेंटर शहीद स्मृति नगर निवासी शिखा पत्नी अम्बरीश त्रिपाठी 39 वर्ष को ठग ने पहले पेटीएम ऐप डाउनलोड कराया और फिर दोबारा डाउनलोड करने को कहा। शिखा ठग की बातों में आ गई जैसे ही उसने पेटीएम ऐप डाउनलोड किया खाते से 1.70 लाख रुपए कट गए। इसी तरह बलवंत नगर गांधी रोड निवासी मोनिका पत्नी आशीष शर्मा 39 वर्ष को ठग ने पेटीएम ऐप डाउनलोड कराने के बहाने 1.12 लाख रुपए खाते से निकाल लिए। दोनों पीड़ित महिलाओं की शिकायत पर विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

रूप सिंह स्टेडियम के पीछे की दुकानों को चौपाटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव

■ ग्वालियर

रूप सिंह स्टेडियम के पीछे स्थित दुकानों और आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित कर उसे एक आकर्षक फूड चौपाटी के रूप में विकसित किए जाने का प्रस्ताव सामने आया है। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन की ओर से इस संबंध में निगमायुक्त संघप्रिय को एक विस्तृत सुझाव पत्र सौंपा गया है। फाउंडेशन के प्रतिनिधि यश कुशवाह ने बताया कि वर्तमान में स्टेडियम के पीछे स्थित दुकानों के आसपास साफ-सफाई और नियमित देखरेख के अभाव में अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। जगह-जगह कचरा, अव्यवस्थित बैठने की व्यवस्था और अपर्याप्त रोशनी के कारण न केवल क्षेत्र की छवि प्रभावित हो रही है, बल्कि सुरक्षा को लेकर भी

चिंता बनी रहती है।

उन्होंने बताया कि शाम के समय कुछ असामाजिक तत्व यहां बैठकर नशा आदि करते देखे जाते हैं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों और स्टेडियम में आने-जाने वाले खिलाड़ियों व दर्शकों को असुविधा होती है। इससे पूरे क्षेत्र का माहौल नकारात्मक हो रहा है।

सुझाव पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि चौपाटी के रूप में विकसित होने से स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। फूड स्टॉल, कैफे और छोटे व्यवसाय शुरू होने से आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे न केवल युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि नगर निगम की आय में भी इजाफा होगा। इस अवसर पर गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन के संस्थापक आकाश बरुआ और विकास राठौड़ भी मौजूद रहे।

सड़क पर गंदगी फैलाने वालों से वसूला गया जुर्माना

ग्वालियर। शहर को स्वच्छ एवं साफ बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारी अजय सिंह ठाकुर के निर्देशन में वार्ड 33 में दुकानदारों एवं ठेले वालों पर गंदगी करने व डस्टबिन न रखने पर 3500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। वार्ड 34 छप्पर वाला पुल पर 2000 रुपए तथा सरदार डेयरी पर 250 रुपए का जुर्माना लगाया गया। वार्ड 46 में बार-बार गंदगी फैलाने पर कृष्णा शर्मा पर 2000 रुपए का जुर्माना किया गया। इसी प्रकार वार्ड 61 में 1500 रुपए का जुर्माना वसूला गया।

पतंग उड़ाते समय मकान से गिरा बालक, मौत

■ ग्वालियर

मुरार थाना क्षेत्र में पतंग उड़ाते समय दो मंजिला मकान से गिरने से बालक की मौत हो गई। ऊंचाई से गिरने के कारण बालक को चिकित्सालय में भर्ती कराया था जहां पर उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

वंशीपुरा में रहने वाला शिवम पुत्र सर्वेशसिंह बघेल 14 वर्ष 14 फरवरी को अपने मकान की ऊंपरी मंजिल पर पतंग उड़ा रहा था। पतंग उड़ाने के दौरान शिवम का संतुलन बिगड़ जाने पर उसका पैर फिसल गया और वह छत से नीचे आ गिरा। शिवम के ऊंचाई से गिरने पर गंभीर रूप से घायल हो गया उसको परिजन तत्काल चिकित्सालय लेकर पहुंचे। चार दिन तक शिवम जिंदगी और मौत से संघर्ष करते हुए हार गया और उसने दम तोड़ दिया। शिवम की सांसें थमते ही परिवार में मातम पसर गया। बालक की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव विच्छेदन गृह भेज मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी। इस संबंध में मुरार थाना प्रभारी मैना पटेल ने बताया कि बालक के पतंग उड़ाने के दौरान दो मंजिला मकान से नीचे गिर गया था। उपचार के लिए ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

एमिटी विवि में सृजनोत्सव, 69 विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए स्टार्ट-अप आइडिया

■ ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर के तत्वावधान में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन एवं यंग लीडर काउंसिल के सहयोग से सृजनोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा सेवानिवृत्त एवं कुलगुरु प्रो. डॉ. आर.एस. तोमर ने किया।

कुलगुरु प्रो. तोमर ने विद्यार्थियों को नवाचार आधारित उद्यमिता व रोजगार सृजन के लिए प्रेरित किया, वहीं प्रो-चांसलर वी.के. शर्मा ने अनुशासन व समर्पण को सफलता की कुंजी बताया। मुख्य अतिथि अनीशा श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक एमपीआईडीसी एवं सीईओ साडा ने स्टार्ट-अप प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी

दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज पटवर्धन एबीवी-आईआईआईटीएम ने नैतिकता और सुशासन पर जोर दिया। आयोजन में विभिन्न विभागों के 69 विद्यार्थियों ने अपने स्टार्ट-अप विचार व मॉडल प्रस्तुत किए। अरुण पंडित ने स्टार्ट-अप अनुभव साझा किए, जबकि अधिवक्ता आदित्य त्रिवेदी ने पेटेंट व बौद्धिक संपदा अधिकारों पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में प्रो. (डॉ.) हरिओम यादव (यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा) ने शोध को व्यवसाय में बदलने के अनुभव साझा किए।

श्रेष्ठ प्रस्तुतियों को 5000, 3000, 2000, दो सांत्वना पुरस्कार 1000-1000 व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रो. डॉ. विनय द्विवेदी, प्रो. डॉ. राघवेंद्र कुमार मिश्रा एवं मोहित वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। आभार डॉ अंशु ने व्यक्त किया।

शराब के लिए रुपए नहीं देने पर बेटे ने कर दी पिता की हत्या, आरोपी पकड़ा

डंडा से हमला करने पर पिता ने मौके पर ही तोड़ा दम

■ ग्वालियर

शराब पीने के लिए जब पिता ने बेटे को रुपए देने से मना कर दिया तो उसने डंडे से हमला कर दिया। डंडे से हमला करने पर पिता की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव विच्छेदन गृह भेज आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मृतक भी शराब पीने का आदी था और उसका लिवर भी खराब हो गया था, जिस कारण डंडे के हमले को वह सहन नहीं कर सका और उसकी मौत हो गई।

आरोन में रहने वाले बाबूलाल पुत्र लक्खूराम जाटव 50 वर्ष अपने बेटे रवि के साथ रहता था। बाबूलाल और रवि दोनों नशा करने के आदी हैं। 15 फरवरी को दोनों नशा करके घर पहुंचे और रवि ने अपने पिता से उधार रुपए मांगे। बताया गया है कि रवि ने पिता को रुपए उधार दे रखे थे उन्हीं रुपयों का वह तकादा शराब पीने के लिए कर रहा था। शराब पीने के दौरान बाबूलाल ने बेटे को रुपए देने से इंकार कर दिया। दोनों में इसी बात को लेकर बहस होने लगी जब बात ज्यादा बढ़ गई तो रवि जाटव ने घर में रखा डंडा उठाया और पिता पर तबाड़तोड़ वार करना शुरू कर दिए। डंडे के हमले से बाबूलाल मौके पर ही बेसुध हो गया। शोर-शराबा की आवाजें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और जमीन पर बेसुध पड़े बाबूलाल को हिलाया-डुलाया तो उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं की। अधेड़ पर बेटे द्वारा हमला करने की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बाबूलाल की जब पुलिस ने नब्ज टटोली तो उसकी सांसें थम चुकी थीं। हत्या का पता चलने पर पुलिस ने मौके से ही बेटे रवि जाटव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह भेज आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज कर लिया। इस संबंध में आरोन थाना प्रभारी अभिनव शर्मा का कहना है कि दोनों पिता पुत्र नशे के दौरान रुपयों को लेकर झगड़ा करने लगे थे। रवि ने डंडे से मारपीट की तो उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पूछताछ करने के बाद बेटे को जेल भेज दिया है।

भूतपूर्व छात्रों ने पुरानी स्मृतियों को किया याद

■ ग्वालियर

पार्वती बाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय के वार्षिक स्नेह सम्मेलन में बुधवार को महाविद्यालय में एकल गीत, एकल नृत्य एवं सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन भी हुआ। मध्य भारत शिक्षा समिति के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. प्रदीप वाजपेयी ने पूर्व छात्रों का स्वागत किया और महाविद्यालय के प्रति उनके समर्पण भाव की प्रशंसा की। इस अवसर पर पूर्व छात्रों ने गीत, कविता एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दीं और पुरानी स्मृतियों को याद किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक, डॉ. स्वाति पेंडसे, डॉ. शैलेंद्र सिकरवार आदि उपस्थित रहे।

यह रहे विजेता

आयोजित हुई प्रतियोगिता में एकल नृत्य में हर्षिता राजावत प्रथम, मधु कुशवाहा द्वितीय, अंकित जगा तृतीय स्थान पर रहीं। समूह नृत्य में रितु कुशवाहा एवं अनुष्का पाल प्रथम रहीं। एकल गीत में वैशाली कुशवाहा प्रथम, हर्षिता राजावत एवं शिवानी वर्मा द्वितीय एवं अनुष्का पाल तृतीय स्थान पर रहीं।

जीवाजी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ आमजन तक पहुंचे

■ ग्वालियर

भारत की धरती पर जीवन विज्ञान की जड़ें अत्यंत प्राचीन रही हैं। हमारे वेदों, उपनिषदों, आयुर्वेद और चरक-सुश्रुत संहिताओं में जैविक ज्ञान का अद्भुत संकलन मिलता है। लाइफ साइंसेज का संबंध केवल चिकित्सा या प्रयोगशाला अनुसंधान से नहीं है। यह कृषि, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह बात बुधवार को शुल्क विनियमन समिति मध्यप्रदेश शासन के अध्यक्ष प्रो.रविन्द्र कन्हेरे ने जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में स्कूल ऑफ स्टडीज इन बॉटनी एंड

माइक्रोबायोलॉजी द्वारा लाइफ साइंसेजः प्राचीन से आधुनिक युग तक का सफर विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि कही। विक्रम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रो. अखिलेश के. पांडे, एमिटी यूनिवर्सिटी के कुलगुरु प्रो. राजेश सिंह तोमर, जीविवि के कुलगुरू डॉ.राजकुमार आचार्य, प्रो.एमके गुप्ता, डॉ. सपन पटेल मंचासीन रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो.अखिलेश के.पांडे ने कहा कि जीवन विज्ञान का विकास एक सतत् यात्रा है, जो प्राचीन वैदिक ज्ञान से शुरू होकर आज जीनोमिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों ने वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य वक्ता प्रो. राजेश सिंह तोमर ने कहा कि 21वीं सदी जीवन विज्ञान की सदी है। अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि जीवन विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के विकास का आधार है।

कार्यक्रम में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें 80 से अधिक शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया।

कुलानुशासक मंडल की बैठक : दो मामलों में विद्यार्थियों का पक्ष जाना

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय में पिछले दिनों हुए विद्यार्थियों के बीच हुए दो विवाद के मामलों को लेकर कुलानुशासक मंडल (प्रॉक्टोरियल बोर्ड) की बैठक हुई। बैठक में दोनों मामलों में विभागीय अनुशासन समिति और विद्यार्थियों के कथनों पर विचार हुआ लेकिन अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। कुलानुशासक मंडल की बैठक में कुछ माह पहले विधि विभाग में हुए विवाद के मामले में एक छात्रा को कथन देने के लिए बुलाया गया था। इस मामले में एक विद्यार्थी ने रैगिंग की शिकायत की थी, इसके बाद छात्रा ने शिकायत करने वाले छात्र के खिलाफ एआई से उसका फोटो तैयार करने की शिकायत की थी। इसके बाद छात्रा को बयान के लिए बुलाया गया था। छात्रा ने कुलानुशासक मंडल के सामने बयान दिया कि शिकायत करने वाला छात्र उसे परेशान करता था। वहीं गालव सभागार में संगोष्ठी के दौरान छात्रों के दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में मंडल ने विभागीय अनुशासन समितियों की रिपोर्ट मांगी थी। इसमें प्रबंध अध्ययनशाला ने अपनी रिपोर्ट दी लेकिन उसमें तथ्यों का अभाव था। जांच की जानकारी भी नहीं थी। इसके अलावा जिन छात्रों के खिलाफ मारपीट की शिकायत हुई थी उन्होंने लिखकर दिया कि उन्हें प्रबंध अध्ययनशाला के आयोजकों द्वारा उन्हें संगोष्ठी में बुलाया था और मारपीट उन्होंने नहीं की है।

संपादकीय

इमरान के लिए आगे आए सुनील, कपिल

क्रिकेट को भद्रजनों का खेल क्यों कहा जाता है, यह बात 14 पूर्व कप्तानों ने साबित कर दिखाई है। पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पांच देशों के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तानी सरकार को पत्र लिखा है। इन पूर्व कप्तानों ने पाकिस्तान की सरकार से मांग की है कि इमरान खान के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए और उनका बेहतर तरीके से इलाज कराया जाए। अच्छी बात ये है कि इस पत्र के हस्ताक्षरकताओं में सुनील गावस्कर और कपिल देव भी हैं, और साथ में सौरव गांगुली ने भी इमरान खान के लिए चिंता जाहिर की है। वर्ना बीते कुछ वक्त से भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का भी ऐसा राजनीतिकरण किया गया है जिसे देखकर अफसोस होता है। दोनों देशों के बीच दुश्मनी का फायदा हमेशा से राजनेताओं को होता रहा है, इसलिए इसे खत्म करने की जगह बढ़ाया जाता रहा है। लेकिन यह देखकर दुख होता है कि जनता कितने जल्दी झांसे में आ जाती है। पुलवामा, पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच जो सामान्य शिष्टाचार के तहत बात होती थी, वह भी बंद है। लेकिन भारत-पाक के मैच में सट्टेबाजी और विज्ञापनों से होने वाली कमाई को दोनों देश नहीं खोना चाहते, इसलिए जानी दुश्मनी दिखाने के बावजूद मैच खेले जा रहे हैं। उस पर तुर्रा यह कि क्रिकेट खिलाड़ी मैदान में एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। खिलाड़ी अगर ये कहें कि हम मैच फीस नहीं लेंगे, तब तो उनकी देशभक्ति समझ आए, लेकिन कमाई भी करेंगे और खेल भावना का परिचय भी नहीं देंगे, यह कैसा दोहरा चरित्र है। बहरहाल, नए दौर के खिलाड़ियों ने खेल भावना न दिखाकर जितना निराश किया है, पुराने दौर के दिग्गज खिलाड़ियों ने उससे कहीं ज्यादा उम्मीद से भर दिया है। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और कपिल देव, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर, स्टीव वॉ, ईयान चैपल, किम ह्यूज और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क, इंग्लैंड के माइक अथर्टन, नासिर हुसैन, माइक ब्रेयरली और डेविड गॉवर, वेस्ट इंडीज के क्लाइव लॉयड और न्यूजीलैंड के जॉन राइट ने पाकिस्तान की सरकार को अपने हस्ताक्षर के साथ पत्र भेजा है, जिसमें कहा गया है कि श्हम अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान हैं और इमरान खान के साथ हुए कथित व्यवहार और जेल के हालात को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान होने के साथ-साथ विश्व क्रिकेट के एक दिग्गज खिलाड़ी भी हैं। कप्तान के रूप में उन्होंने 1992 क्रिकेट वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को ऐतिहासिक जीत दिलाई। एक ऐसी जीत जो कौशल, दृढ़ता, नेतृत्व और खिलाड़ियों वाली भावना पर आधारित थी और जिसने पीढ़ियों को प्रेरित किया। हममें से कई लोगों ने उनके खिलाफ खेला, उनके साथ मैदान साझा किया, या फिर उनकी ऑलराउंड क्षमता, व्यक्तित्व और प्रतिस्पर्धी जज्बे की वजह से उन्हें अपना आदर्श माना। वह आज भी दुनिया के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडरों और कप्तानों में गिने जाते हैं, जिन्हें खिलाड़ी, प्रशंसक और प्रशासक सभी सम्मान देते हैं। क्रिकेट के अलावा इमरान खान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में भी काम किया। राजनीतिक नजरिए से अलग उन्हें अपने देश के सबसे ऊंचे पद पर लोकतांत्रिक तरीके से चुने जाने का सम्मान मिला है। पत्र में आगे उनकी सेहत को लेकर गंभीर चिंता जताई गई है, और खासकर हिरासत में रहते हुए उनकी नजर तेजी से खराब होने की बात कही गई है। इस पत्र में लिखा है, श्क्रिकेटर होने के नाते हम निष्पक्षता, सम्मान और खेल भावना के उन मूल्यों को समझते हैं जो मैदान की सीमाओं से आगे जाते हैं। हम मानते हैं कि इमरान खान जैसी शख्सियत के साथ गरिमा और बुनियादी मानवीय संवेदनाओं के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इस पत्र में शाहबाज सरकार से तीन मांगें की गई हैं। पहली मांग इमरान खान की इच्छा के मुताबिक योग्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से उनका तुरंत और लगातार इलाज कराया जाए। दूसरी मांग, अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से जेल के मानवीय और सम्मानजनक हालात बनाए जाएं, जिनमें परिवार के सदस्यों से नियमित मुलाकात शामिल हो। तीसरी मांग, बिना किसी देरी या बाधा के निष्पक्ष और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाए। पत्र में लिखा है कि, श्क्रिकेट हमेशा से देशों के बीच पुल का काम करता रहा है। मैदान की प्रतिद्वंद्विता स्टंप्स उखड़ने के साथ खत्म हो जाती है और सम्मान बना रहता है। इमरान खान ने अपने पूरे कॅरियर में इसी भावना को जिया। हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे आज भी मयार्दा और न्याय के उन्हीं सिद्धांतों को निभाएं। यह अपील बिना किसी कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के पूरी खेलभावना और मानवता के आधार पर की जा रही है। शाहबाज सरकार को अगर अपनी वैश्विक छवि की जरा भी चिंता होगी तो वह इस पत्र में लिखी बातों का सम्मान करेगी। वर्ना अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी से कैसा अमानवीय व्यवहार किया जाता है, इसकी कई मिसालें पाकिस्तान पहले भी पेश कर चुका है। हालांकि अफसोस की बात है कि पत्र के हस्ताक्षरकताओं में पाकिस्तान के एक भी पूर्व खिलाड़ी का नाम नहीं है। विदित है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और देश को एकमात्र विश्वकप दिलाने वाले क्रिकेट खिलाड़ी इमरान खान पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद हैं। उन पर अलग-अलग मामलों में कुल 31 साल की सजा हुई है। पाकिस्तान में सेना और आईएसआई के खिलाफ जाने वाले राजनेताओं का जो बुरा हश्र होता रहा है, इमरान खान उसी की एक मिसाल हैं।

पंजाब कांग्रेस की नई एकजुटता, अब नजरें 2027 पर

> क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

रविंदर सिंह रॉबिन

पंजाब की राजनीति के उतार-चढ़ाव भरे अखाड़े में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दबाव के बीच एकजुट होने की कला में महारत हासिल कर ली है, ठीक उसी तरह, जैसे कोई परिवार तूफान के दौरान एक साथ खड़ा हो जाता है। यह शाश्वत गाथा एक बार फिर 16 फरवरी, 2026 को सामने आई, जब पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेता रणनीतिक ह्यडिनर मीटिंगह्न के लिए चंडीगढ़ में प्रताप सिंह बाजवा के आवास पर एकत्रित हुए। पंजाब विधानसभा में वर्तमान विपक्ष के नेता बाजवा द्वारा आयोजित इस सभा ने 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले एकजुटता का एक शक्तिशाली संकेत दिया। बाजवा, जो अप्रैल, 2022 से विपक्ष के नेता का पद संभाल रहे एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं, ने हालिया अंतर्कलह के बीच मतभेदों को सुलझाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया। उपस्थित लोगों में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़ूषडग, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, और सुखजिंदर सिंह रंधावा, भारत भूषण आशू, गुरजीत सिंह औजला, सुखजिंदर सिंह सरकारिया, ओम प्रकाश सोनी और जसबीर सिंह ड्डषडपा जैसे कई दिग्गज शामिल थे। यह बैठक पार्टी के ऐतिहासिक पैटर्न को दोहराती है- जब दाव ऊंचे होते हैं, तो आंतरिक प्रतिद्वंद्विता एकजुटता में बदल जाती है। यदि 2024 के लोकसभा चुनावों पर नजर डालें, जहां पंजाब की 13 संसदीय सीटों पर कड़ा मुकाबला था, तो टिकट बंटवारे के दौरान कांग्रेस के दावेदारों में तीखी झड़प हुई थी। लेकिन एक बार जब हाईकमान

ने उम्मीदवारों को अंतिम रूप दे दिया, तो वे एकजुट हो गए और 7 सीटें हासिल कीं, जो कि सबसे अधिक संख्या थी। आम आदमी पार्टी (आप) को 3, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) को 1 और निर्दलीयों को 2 सीटें मिलीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का खाता भी नहीं खुला। यह जीत 2017 के विधानसभा चुनावों की याद दिलाती है, जब कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने 117 में से 77 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाई थी। कैप्टन अमरिंदर सिंह, जो कांग्रेस से 2 बार पंजाब के मुख्यमंत्री (2002-07 और 2017-21) रहे, उन्होंने नवजोत सिद्धू के साथ विवाद और खुद को दरकिनार किए जाने के बाद सितम्बर 2021 में पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने अक्तूबर 2021 में पंजाब लोक कांग्रेस बनाई, 2022 के चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया और फिर 19 सितम्बर, 2022 को अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया और आधिकारिक तौर पर उसमें शामिल हो गए।ह्यडिनर डिप्लोमेसीह्न (भोज की राजनीति) भारतीय राजनीति में एक समय-परीक्षित रणनीति है, जो सार्वजनिक चकाचौंध से दूर गठबंधन बनाने और दरारों को भरने के लिए सांझा भोजन की आत्मीयता का लाभ उठाती है। चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे नेताओं के मानवीय पक्ष को सामने लाकर काम करता है, जिससे ह्यऑफ दरिकॉर्डह्न बातचीत के जरिए अहंकार को सुलझाने और रणनीति बनाने में मदद मिलती है, जबकि लीक हुई तस्वीरें या बयान मीडिया में ह्यसब ठीक हैह्न की कहानी को पुख्ता करते हैं, जिससे कार्यकत्ताओं का मनोबल और मतदाताओं का विश्वास बढ़ता है। भोज के दौरान छनकर आई बातों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया-हल्की-फुल्की गपशप हुई, जैसे वड़ूषडग के अंदाज पर चुटकुले और चन्नी द्वारा विपक्ष की सीट को लेकर आलोचकों को पंजाबी व्यंजनों-जैसे कि ह्यमक्खन वाला सरसों का साग और मक्की की रोटीह्न पर आमंत्रित करके, इस कार्यक्रम ने एकजुटता का एक ऐसा नैरेटिव बुना, जो गुटबाजी की धारणाओं को चुनौती देता है। यह किया गया मजाक। यह सब अच्छे हंसी-मजाक में हुआ, जिससे पुराने तनाव को कम करने में मदद मिली। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई, लेकिन ऐसी दोस्ताना बातचीत दिखाती है कि कैसे एक साधारण भोजन झगड़ों को दोस्ती में बदल सकता है और पार्टी की भविष्य की लड़ाइयों के लिए एकजुटता की एक मजबूत कहानी लिख सकता है। आज, 2022 में चुनी गई पंजाब विधानसभा में, कांग्रेस 16 सीटों के साथ आधिकारिक विपक्ष है, जबकि आप के पास 94 सीटों का भारी बहुमत है। प्रताप सिंह बाजवा के आवास पर एकजुटता का हालिया प्रदर्शन किसी भी सत्ता-विरोधी लहर का लाभ उठाने के पार्टी के संकल्प को दशार्ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे, यह नई एकजुटता अंतर को पाटने और ह्यआपह्न के गढ़ को कड़ी चुनौती देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। जैसा कि बाजवा की डिनर डिप्लोमेसी रेखांकित करती है, जब ह्यदबाव बढ़ता है, तो पंजाब कांग्रेस घड़ी की सूइयों की तरह एक साथ खड़ी हो जाती है। अब सभी की निगाहें 2027 पर टिकी हैं, जहां यह एकजुटता सत्ता में विजयी वापसी की पटकथा लिख सकती है और राज्य के राजनीतिक सिंहासन पर फिर से दावा कर सकती है। आने वाला वर्ष यह परीक्षण करेगा कि क्या कांग्रेस आंतरिक एकजुटता को चुनावी गति में बदल पाती है और पंजाब की राजनीति में अपना ऐतिहासिक प्रभाव वापस पा सकती है?

क्या रहमान सरकार में सुधरेंगे भारत-बंगलादेश संबंध?

> 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत-बंगलादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बंगलादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त हो कर बंगलादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। बेशक जेन-जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बंगलादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आ कर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बंगलादेश संबंध सुधरेंगे? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजैंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन-जी की नैशनल सिटीजन पार्टी (एन.सी.पी.) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया।

राज कुमार सिंह

भारत के सबसे अप्रत्याशित और नए दुश्मन देश बंगलादेश में नव निर्वाचित सरकार पदारूढ़ हो गई। 17 साल बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौट कर चुनाव में बंगलादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) का नेतृत्व करने वाले तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया था, पर भारत का प्रतिनिधित्व किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने। भारत की ओर से शुभकामना पत्र देते हुए बिरला ने तारिक को यात्रा का निमंत्रण भी दिया। अगस्त, 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में भारत-बंगलादेश संबंधों में कटुता चरम पर दिखी। बंगलादेश में हिंदू नागरिकों, उनके धर्मस्थलों एवं घरों-व्यावसायिक ठिकानों को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया। हत्याएं और बलात्कार की घटनाएं भी हुईं। जिस भारत के सहयोग से 1971 में पाकिस्तान के शिकंजे और दमनचक्र से मुक्त हो कर बंगलादेश स्वतंत्र देश बन पाया, उसी के विरोध में यूनुस सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती तक चली गई। बेशक जेन-जी के विद्रोह से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत द्वारा शरण से भी परस्पर कटुता बढ़ी, लेकिन एक दोस्त देश का दुश्मनों से हाथ मिला लेना बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति है, क्योंकि दोनों के बीच लंबी सीमा है। इसी कटुता के परिणामस्वरूप बंगलादेश ने पाकिस्तान के उकसावे में आ कर टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट का बहिष्कार भी कर दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्ता परिवर्तन से भारत-बंगलादेश संबंध सुधरेंगे? बेशक तारिक रहमान ने चुनाव प्रचार के दौरान ऐसा कुछ नहीं कहा, जिससे आशंकित हुआ जाए। ज्यादातर जानकार उनके 31 सूत्रीय एजैंडा को बेहतर संबंधों की संभावना का ही संकेत मानते हैं। जमात-ए-इस्लामी पार्टी और शेख हसीना सरकार के विरुद्ध विद्रोह करने वाली जेन-जी की नैशनल सिटीजन पार्टी (एन.सी.पी.) की तरह भारत विरोधी कार्ड खेलने से तारिक ने परहेज ही किया। डिजिटल डोमेन और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस आदि के जरिए तारिक बंगलादेश को रेनबो नेशन बनाने का सपना दिखा रहे हैं, जिसमें भारत से संबंध सुधार की संभावनाएं प्रबल हो सकती हैं। तारिक मंत्रिमंडल में एक ड्डषहदू और एक बौद्ध को भी शामिल किया गया है, लेकिन यह भी सच है कि वह जिया उर रहमान और खालिदा जिया के राजनीतिक वारिस हैं, जो भारत विरोध की ही राजनीति करते रहे। यह तो ऐतिहासिक सच है कि बंगलादेश के जनक माने जाने वाले बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान और उनकी बेटी शेख हसीना भारत के सबसे विश्वसनीय दोस्त रहे, जिन्हें पहले जिया उर रहमान और फिर खालिदा जिया राजनीतिक चुनौती देती रहीं। यह भी कि जिया उर रहमान और खालिदा जिया के शासन में भारत-बंगलादेश संबंध कभी भी सहज नहीं रहे। संसद के जिन चुनावों में प्रचंड जीत के जरिए तारिक रहमान ने सत्ता हासिल की है, उनमें शेख हसीना की अवामी लीग को भाग नहीं लेने दिया गया। शेख हसीना इन चुनावों को मानने को भी तैयार नहीं हैं। जाहिर है, यूनुस सरकार द्वारा शेख हसीना के प्रत्यर्पण का आग्रह तारिक सरकार भी दोहराएगी। लगभग डेढ़ साल से भारत में रह रहीं शेख हसीना के प्रत्यर्पण का फैसला निश्चय ही भारत के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि उनके तख्तापलट के पीछे अन्य देशों की भूमिकाओं की चर्चा भी आम रही है। ऐसे में दोनों परिवारों की परंपरागत कटुता के अलावा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी तारिक सरकार के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा गरमाए रखना अनुकूल साबित होगा। तारिक के पास अपने पिता जिया और मां खालिदा जैसा राजनीतिक अनुभव नहीं है, पर विदेश प्रवास के चलते देश के लिए नए सपने हो सकते हैं। उनकी अनुभवहीनता के चलते भारत विरोधी चीन और पाकिस्तान भी उन पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहेंगे। ऐसे में यह देखना बेहद महत्वपूर्ण होगा कि परंपरागत घरेलू राजनीति के चक्रव्यूह में फंसने की बजाय तारिक देश के बेहतर भविष्य की राह पर चलने का साहस जुटा पाते हैं या नहीं। इतिहास भी बताता है कि पाकिस्तान की तरह बंगलादेश में भी ह्यभारत विरोधह्न तमाम समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए सरकारों का आजमाया हुआ नुस्खा रहा है।

क्या राहुल गांधी विशेषाधिकार की भावना से ग्रस्त हैं?

> राहुल गांधी-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा है। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रम्प विदेशी हैं और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है। एक ओर ट्रम्प के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है, वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रम्प के ह्यमृत अर्थव्यवस्थाह्न कथन का समर्थन, मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमरीकी मध्यस्थता के ट्रम्प के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर ह्यनरेंद्र-सरेंडरह्न जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इंकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है। निःसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है।

बलबीर पुंज

समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीतिक-जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल-पुथल भरी वैश्विक राजनीति में 2 ऐसे व्यक्तित्व-अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा है। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रम्प विदेशी हैं और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है। एक ओर ट्रम्प के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन-देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है, वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रम्प के ह्यमृत अर्थव्यवस्थाह्न कथन का समर्थन, मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में अमरीकी मध्यस्थता के ट्रम्प के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर ह्यनरेंद्र-सरेंडरह्न जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इंकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है। निःसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वह संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके हैं। हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देने, जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने की बजाय इसे संसदीय कार्रवाई में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार-बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी। राहुल की यह ह्यअराजकह्न शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रैस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने-अनजाने में राहुल देश-विरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते हैं। सितम्बर 2024 की अमरीका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है। इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अपने एजैंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि ह्यभारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका हैह्न और उसे बचाने के लिए ह्यपश्चिमी हस्तक्षेपह्न अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार-तंत्र का हथियार बन जाते हैं। राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते हैं? क्या इसलिए कि वे ह्यविशेषाधिकार की भावनाह्न से ग्रस्त हैं? क्या वह मानते हैं कि केवल उन्हें ही अपने मुताबिक ह्यलोकह्न (जनमानस) और ह्यतंत्रह्न (मीडिया-न्यायालय सहित) चलाने का ह्यदैवीय अधिकारह्न है? असल में उनका यह चिंतन न तो 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद पनपा है और न ही यह भाजपा-आर.एस.एस. तक सीमित है। 27 सितम्बर, 2013 को उन्होंने अपनी ही केंद्र सरकार के एक अध्यादेश को ह्यबकवासह्न बताते हुए उसे सार्वजनिक रूप से ह्यफाड़कर फैंक देनेह्न की बात कही थी। इसी ठसक से 2019 की एक चुनावी रैली में उन्होंने ह्यमोदीह्न उपनाम वाले सभी लोगों को ह्यचोरह्न कहा, तो 2024 की एक सभा में भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर देश के ह्यआग में जल उठनेह्न की आशंका जताई। लगातार चुनावी पराजयों के बाद वह चुनाव आयोग और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया पर भी सवाल उठा रहे हैं। राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा-स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीडन और महिला-विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन-भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे हैं। वर्ष 2014 से ऐसे राजनीतिक नेतृत्व को जनादेश मिल रहा है, जो सभ्यतागत पुनरुद्धार, कल्याणकारी वितरण और रणनीतिक दृष्टि से ईमानदार है। भारत अभूतपूर्व स्तर पर आधारभूत संरचना का निर्माण, डिजिटल माध्यम से जनहित योजनाओं का विस्तार, रक्षा क्षेत्र का आधुनिकीकरण और बहुपक्षीय मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर रहा है। ट्रम्प अपने व्यवहार-वक्तव्यों से भारत का बहुत अधिक नुकसान नहीं कर सकते। एक तो उनका कार्यकाल सीमित है, दूसरा, भारत इतना सामर्थ्यवान हो चुका है कि वह किसी भी बड़ी वैश्विक शक्ति का विरोध सहते हुए सिर ऊंचा करके जी सकता है। परंतु भारत के भीतर-विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिए जाने वाले गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य देश को गंभीर और गहरा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मंत्र भारत ग्वालियर -शुक्रवार,20 फरवरी 2026

प्राकृतिक कृषि मॉडल से किसानों की आय बढ़ाने की तैयारी में योगी सरकार, जल्द छुएगा एक लाख का आंकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक स्तर पर अभियान चलाया है। अधिकृत सूत्रों के मुताबिक प्रदेश के सभी 75 जिलों में अब तक करीब 94,300 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती का विस्तार किया जा चुका है, जिसे जल्द ही एक लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। योगी आदित्यनाथ सरकार रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर टिकाऊ कृषि मॉडल विकसित करने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनपदोंक्झांसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूटक्में 23,500 हेक्टेयर क्षेत्र में गो-आधारित प्राकृतिक खेती का विशेष कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि जीवामृत और घनजीवामृत जैसे पारंपरिक जैविक उपायों के प्रयोग से रासायनिक खाद और कीटनाशकों की जरूरत घटेगी, जिससे खेती की लागत कम होगी और किसानों की आय बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के अनुसार प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता और जलधारण क्षमता में सुधार होता है। विशेष रूप से कम वर्षा वाले बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में यह मॉडल कृषि को अधिक टिकाऊ बनाने में मददगार साबित हो सकता है। राज्य सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रही है।

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले हो जाएं सावधान, कहीं आपकी याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता न हो जाए कमजोर?

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में रहते है तो सावधान हो जाइए, कहीं आपकी याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता कमजोर न हो जाए? आखिर इसके पीछे की वजह क्या है? आइए जान लेते हैं।

लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी के साथ बढ़ती पर्यावरणीय समस्याएं कई तरह की बीमारियां बढ़ाती जा रही हैं। कम उम्र में ही दिल की बीमारी-हार्ट अटैक का खतरा हो या बढ़ते डायबिटीज और कैंसर के मामले, ये सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता का कारण बने हुए हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हाल के वर्षों में याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर करने वाली बीमारियों जैसे अल्जाइमर रोग-डिमेंशिया के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। आमतौर पर ये समस्याएं उम्रदराज लोगों, विशेषकर 60 साल के बाद वालों में अधिक देखी जाती रही हैं। हालांकि कई रिपोर्ट्स अलर्ट करते हैं कि अब 50 की उम्र में भी लोगों में अल्जाइमर के लक्षण देखे जा रहे हैं।

कहीं आपकी भी याददाश्त, सोचने-समझने की क्षमता कमजोर न हो जाए? दिल्ली जैसे शहरों में रहने वाले लोगों में इसका खतरा और भी देखा जा रहा है, आखिर इसके पीछे की वजह क्या है? आइए जान लेते हैं।

वायु प्रदूषण के कारण अल्जाइमर रोग का खतरा

अध्ययनकताओं की एक टीम ने अलर्ट किया है कि जो लोग वायु प्रदूषण के अधिक संपर्क में रहते हैं, उनमें अल्जाइमर रोग होने का खतरा भी अधिक हो सकता है।

अल्जाइमर एक गंभीर मस्तिष्क विकार है जो याददाश्त, सोचने की क्षमता और व्यवहार के तरीके को प्रभावित करती है। ऐसे लोगों में डिमेंशिया होने का जोखिम भी अधिक देखा जाता रहा है। यह मस्तिष्क कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाली बीमारी है, जिससे सोचने-समझने में कठिनाई, दैनिक कार्यों में असमर्थता और व्यवहार में बदलाव जैसे गुस्सा या उलझन जैसे लक्षण होते हैं।

यूएस में 27.8 मिलियन (2.78 करोड़) से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया है कि वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से सीधे तौर पर अल्जाइमर रोग का खतरा बढ़ सकता है।

हाइपरटेंशन और स्ट्रोक जैसी पुरानी बीमारियों की तुलना में वायु प्रदूषण के संपर्क को इस बीमारी के लिए ज्यादा खतरनाक माना गया है।

जिन लोगों को पहले से ब्रेन स्ट्रोक की समस्या रही है, ऐसे लोगों में एयर पॉल्यूशन का असर और भी गंभीर हो सकता है।

भारत में बढ़ता वायु प्रदूषण, विशेषतौर पर दिल्ली जैसे शहरों में देखा जा रहा प्रदूषण का खतरा इस बीमारी की चिंता को और बढ़ाने वाला हो सकता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

प्लस वन मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में प्रकाशित रिपोर्ट से पता चलता है कि अल्जाइमर रोग के खतरे कम को करने के लिए वायु प्रदूषण से बचाव जरूरी है।

जॉर्जिया स्थित एमोरी यूनिवर्सिटी की टीम ने कहा कि एयर क्वालिटी में सुधार डिमेंशिया को रोकने का एक जरूरी तरीका हो सकता है। इस अध्ययन के लिए शोधकताओं ने साल 2000-2018 के दौरान 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों को शामिल किया।

शोधकताओं ने कहा, इस दौरान लगभग 30 लाख अल्जाइमर रोग के मामलों की पहचान की गई।

लेखकों ने कहा कि पीएम 2.5 के अधिक संपर्क वाली आबादी में अल्जाइर रोग और डिमेंशिया का खतरा ज्यादा देखा गया।

पीएम 2.5 जैसे प्रदूषकों के प्रति 3.8 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर की बढ़ोतरी से दिमाग की बीमारियों का खतरा और भी बढ़ता देखा गया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वायु प्रदूषण (पीएम2.5) के अधिक संपर्क में रहने से हाइपरटेंशन, डिप्रेशन और स्ट्रोक होने का खतरा भी समय के साथ बढ़ता जाता है। ऐसे लोगों में मेंटल हेल्थ की समस्या जैसे स्ट्रेस और डिप्रेशन होने का जोखिम भी ज्यादा देखा जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा, ब्रेन की सेहत पर प्रदूषक तत्वों का गहरा असर होता है। अगर व्यापक उपाय अपनाकर प्रदूषण को कम कर लिया जाए तो इससे कई तरह की बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

बच्चों का आईक्यू लेवल भी हो सकता है कमजोर

प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ प्रदूषण के बढ़ते स्तर को बच्चों की मानसिक स्थिति के लिए भी खतरनाक मानते हैं।

शोधकताओं ने कहा कि इससे बच्चों में आईक्यू लेवल कम होने, याददाश्त की समस्या और एडीएचडी का जोखिम हो सकता है।

अध्ययनों में प्रदूषण और बढ़ते संज्ञानात्मक और न्यूरोटिक विकारों के बीच स्पष्ट संबंध देखा गया है जिसका बच्चे, बुजुर्ग और कम आय वाले समुदाय सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं।

बिना पैसा खर्च किए घर पर करें पेडिक्योर, ये है पूरी गाइड

नई दिल्ली। आज के व्यस्त जीवन में घर बैठे ब्यूटी और सेल्फ-केयर पर ध्यान देना बहुत जरूरी हो गया है। अगर आप पेडिक्योर करवाना चाहती हैं, लेकिन सैलून जाने का समय नहीं है, तो घर पर ही पेडिक्योर करना सबसे आसान और किफायती तरीका है। घर पर पेडिक्योर करना न केवल पैरों को साफ-सुथरा और मुलायम बनाता है, बल्कि यह आपके स्टाइल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है।

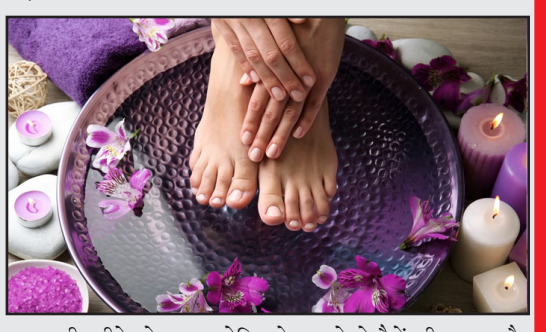

सही तरीके से घर पर पेडिक्योर करने से पैरों की त्वचा और नाखून स्वस्थ रहते हैं और एर्गोनॉमिक रूप से पैरों में कोई परेशानी नहीं होती। इसके लिए आपको कुछ आसान स्टेप्स और बेसिक टूल्स की जरूरत होती है, जिन्हें फॉलो करके आप पेशेवर सैलून जैसा परिणाम पा सकती हैं। इस लेख में हम आपको घर पर पेडिक्योर करने का स्टेप बाय स्टेप गाइड देंगे, जिससे आपके पैरों की देखभाल पूरी तरह से हो सके।

ऐसे करें पेडिक्योर

घर पर पेडिक्योर करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझें तो यह काफी आसान और आरामदायक है। सबसे पहले अपने पैरों को अच्छी तरह धो लें और उन्हें गुनगुने पानी में 10झ15 मिनट भिगोकर रखें। इससे पैरों की त्वचा मुलायम हो जाती है और डेड स्किन हटाना आसान हो जाता है। पानी में भिगोने के बाद पैरों को सुखाएं और नाखूनों को सही आकार में काटें और शेप दें।

घर पर पेडिक्योर कैसे करें ?

इसके बाद नेल फाइल या पेडिक्योर रफर का इस्तेमाल करके एड़ियों और नाखूनों की खुरदरी त्वचा को धीरे-धीरे साफ करें। अगर आपके नाखूनों पर पुरानी नेल पॉलिश लगी है, तो उसे रीमूवर की मदद से हटा दें।

इसके बाद पैरों और एड़ियों पर हल्का स्क्रब लगाकर अच्छी तरह मसाज करें ताकि डेड स्किन पूरी तरह निकल जाए। स्क्रबिंग के बाद पैरों को मॉइस्चराइजिंग लोशन या पेडिक्योर क्रीम से मसाज करें ताकि त्वचा नमी और मुलायम बनी रहे। अगर आप चाहें तो नेल पॉलिश लगा सकते हैं और उसे सूखने दें।

अंत में पैरों को फ्रेश रखने के लिए हल्का टैल्क पाउडर या पैरों का स्प्रे इस्तेमाल करें। इस पूरी प्रक्रिया को फॉलो करने से आपके पैरों की त्वचा साफ, मुलायम और स्वस्थ बनी रहेगी, और आप घर पर ही सैलून जैसा पेडिक्योर अनुभव प्राप्त कर पाएंगे।

इन अभिनेत्रियों से टिप्स लेकर रमजान के महीने में हो सकती हैं तैयार

नई दिल्ली। अगर आप रमजान के महीने में सबसे खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो यहां हम आपको पांच अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जिनसे आप टिप्स ले सकती हैं।

रमजान का महीना एक बहुत ही खास और पाक समय होता है, जब लोग न केवल अल्लाह की इबादत करने के लिए रोजा रखते हैं, बल्कि साथ में अपने घरों में इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं।

ऐसे मौके पर महिलाएं खूब सजती और संवरती हैं और नए-नए आउटफिट कैरी करती हैं। तो इस रमजान यदि आप भी खूबसूरत दिखना चाहती हैं, तो बॉलीवुड की कुछ प्रमुख अभिनेत्रियों से लुक्स और मेकअप टिप्स ले सकती हैं, जो न केवल ट्रेंडिंग हैं, बल्कि बेहद आकर्षक भी हैं।

यहां हम आपको पांच ऐसी बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जिनसे आप प्रेरित हो सकती हैं। इन अभिनेत्रियों के मेकअप से लेकर आउटफिट्स तक, आप आसानी से रमजान के महीने में खुद को खूबसूरत बना सकती हैं। आइए जानते हैं, इन अभिनेत्रियों के शानदार लुक्स के बारे में, जो आपको इस महीने में एक नई रचनात्मकता और आत्मविश्वास देंगे।

अगर कुछ वेलवेट फैब्रिक का कैरी करना चाहती हैं तो हिना खान के इस लुक से टिप्स लें।

इस तरह का पटियाला सूट देखने में कमाल का लगता है।

इसके लिए आप स्लीक स्टाइल में पोनीटेल बनाएं।

अगर आपका सूट चटक रंग का है तो उसके साथ मेकअप ज्यादा हैवी न करें।

कुछ सिंपल कैरी करने का मन है तो दीपिका कक्कड़ से लुक से टिप्स लें।

इस तरह का पर्पल सूट आपके लुक पर कमाल का लगेगा।

इसके साथ कानों में झुमके अवश्य पहनें, क्योंकि उससे लुक अच्छा दिखेगा।

पैरों में हील्स अगर आप पहनेंगी तो और कमाल की लगेंगी।

अगर आपको आरामदायक कपड़े पहनने का शौक है तो इस तरह का कॉ-ऑर्ड सेट बेहतर विकल्प है।

इस तरह का कॉ-ऑर्ड सेट आसानी से बाजार में मिल जाएगा।

इसका रंग हल्का है तो आप उसके साथ हैवी मेकअप कैरी कर सकती हैं।

इसके साथ अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल करके खुला छोड़ दें।

हाल ही में शरारत गाने से मशहूर हुई आयशा खान के इस सूट लुक से आप टिप्स ले सकती हैं।

इस तरह का सूट आपके लुक को पूरी तरह से बदल देगा।

खासतौर पर अगर आप पहली बार इफ्तार की दावत दे रही हैं।

इसके साथ आप अपनी हेयर स्टाइल खास रखें।

गौहर खान

शरारा सूट पहनना पसंद है तो गौहर खान के लुक से टिप्स लें।

ऐसा सिंपल लेकिन खूबसूरत शरारा आप कभी भी कैरी कर सकती हैं।

इसके साथ अपने बालों को या तो कर्ल करके खुला छोड़ दें, वरना मेसी बन बनाएं।

होली के लिए 5 स्वादिष्ट और आसान स्नैक्स, जिसे पहले से बनाकर करें तैयार

नई दिल्ली। होली पर हर घर में तमाम पकवान बनाए जाते हैं। ऐसे में यहां हम आपको 5 आसान स्नैक्स की रेसिपी देंगे।

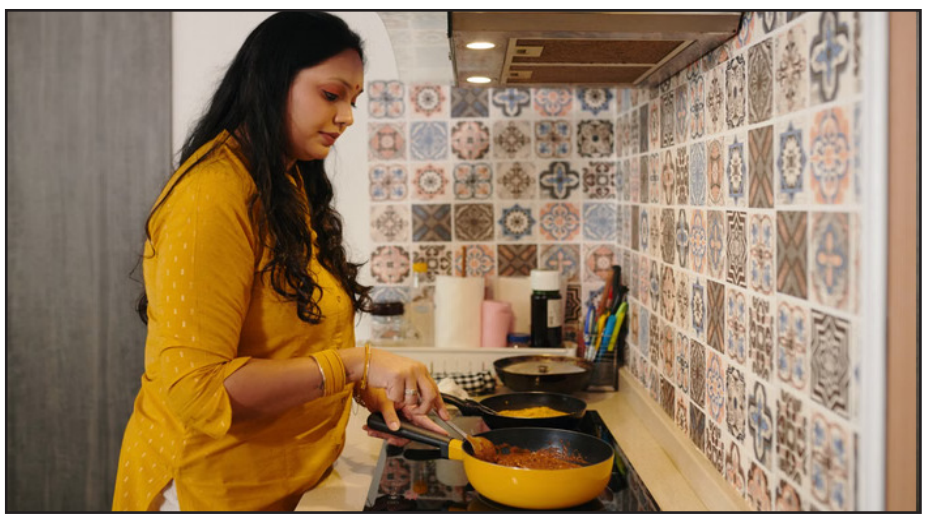

रंगों के त्योहार होली की रौनक सिर्फ गुलाल और पक्के रंग तक सीमित नहीं होती, बल्कि स्वादिष्ट पकवानों से भी इस पर्व की मिठास बढ़ती है। इसी के चलते होली पर हर घर में गुजिया, नमकीन, मिठाइयां और तरह-तरह के स्नैक्स बनाए जाते हैं, जिनका स्वाद परिवार और मेहमानों के साथ मिलकर लिया जाता है।

पर, होली के आस-पास के दिनों में इतना काम होता है कि महिलाओं को समझ नहीं आता कि स्नैक्स में क्या बनाएं। तो अगर इस होली 2026 पर आप भी पारंपरिक पकवानों के साथ कुछ आसान और टेस्टी स्नैक्स पहले से बनाकर तैयार करना चाहते हैं तो यहां उनकी रेसिपी दी जा रही है। यहां हम आपको 5 ऐसी सरल रेसिपी बता रहे हैं, जिन्हें आप कम सामग्री और कम समय में तैयार कर सकते हैं।

1. नमकपारा

नमकपारा एक क्लासिक होली स्नैक है, जो कुरकुरा और स्वाद में हल्का नमकीन होता है। इसे बनाने के लिए मैदा लें, उसमें थोड़ा नमक और अजवाइन मिलाएं। फिर घी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को बेल कर छोटे चौकोर टुकड़ों में काट लें। कड़ाही में घी गरम करें और धीमी आंच पर नमकपारे को सुनहरा होने तक तलें। पूरी तरह ठंडा होने के बाद एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें।

2. मठरी

मठरी भी होली में पसंद किया जाने वाला कुरकुरा नमकीन है। मैदा में थोड़ा नमक और गर्म घी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। छोटी गोलियां या लंबे पतले रोल्स बना लें और गर्म तेल में धीमी आंच पर तलें। मठरी को पूरी तरह ठंडा होने पर रख दें, ताकि यह 2झ3 हफ्ते तक क्रिस्पी बनी रहे।

3. नमकीन सेव

नमकीन सेव बनाने के लिए बेसन में हल्का नमक, हल्दी और अजवाइन डालकर गाढ़ा आटा तैयार करें। इसे सेव मेकर या हाथ से पतली लम्बी स्ट्रिप्स में डालें और तेल में सुनहरा होने तक तलें। पूरी तरह ठंडा होने के बाद एयरटाइट जार में रख दें। यह कुरकुरा स्नैक कई दिनों तक ताजा रहता है।

4. नमकीन काजू

नमकीन काजू बनाने के लिए काजू को हल्का भूनें। फिर इसमें थोड़ा तेल डालकर नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। धीमी आंच पर मसाले अच्छे से चिपकने तक भूनें। ठंडा होने पर एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें। यह स्नैक होली पार्टी या चाय के साथ परोसने के लिए बिल्कुल परफेक्ट है।

5. शक्करपारा

शक्करपारा मिठाई और स्नैक दोनों का कॉम्बिनेशन है। मैदा में घी डालकर सख्त आटा गूंथ लें। आटे को बेलकर छोटे टुकड़ों में काटें। एक पैन में चीनी और पानी की चाशनी बनाएं और उसमें कटे हुए टुकड़े डालकर हल्का भूनें। फिर इन्हें गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें। पूरी तरह ठंडा होने पर एयरटाइट डिब्बे में रखें।

अमेरिका से कनाडा तक, क्या आपने देखी है विदेशों की रंगों वाली होली?

नई दिल्ली। रंगों का यह त्योहार आज सीमाओं से परे लोगों को जोड़ने का काम कर रहा है। आइए जानते हैं किन देशों और शहरों में सबसे बड़ी होली पार्टी आयोजित होती है।

होली अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही। रंगों का यह त्योहार दुनिया के कई देशों में बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाता है। भारतीय प्रवासी समुदाय, सांस्कृतिक संगठनों और म्यूजिक फेस्टिवल्स ने होली को ग्लोबल सेलिब्रेशन बना दिया

है। विदेशों में ऋ२३५' ङ्का उङ्क'ङ्क१२ के नाम से होने वाली पार्टियां युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हैं।

यदि आप विदेश में हैं या यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन देशों में होली का अनुभव लेना यादगार हो सकता है। खासकर अमेरिका के यूटा में आयोजित फेस्टिवल और लंदन की होली पार्टी को दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय रंगों की पार्टियों में गिना जाता है।

रंगों का यह त्योहार आज सीमाओं से परे लोगों को जोड़ने का काम कर रहा है। आइए जानते हैं किन देशों और शहरों में सबसे बड़ी होली पार्टी आयोजित होती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की होली

अमेरिका में कई शहरों में विशाल होली फेस्टिवल्स आयोजित किए जाते हैं।

स्पैनिश फोर्क यानी यूटा में श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर द्वारा आयोजित फेस्टिवल आफ कलर्स यूएसए, हजारों लोगों को आकर्षित करता है।

न्यूयॉर्क सिटी और लॉस एंजिल्स में भी बड़े म्यूजिक और डांस इवेंट्स के साथ होली मनाई जाती है।

यहां डीजे, लाइव म्यूजिक, फूड स्टॉल और कलर ब्लास्ट इस उत्सव को मेगा पार्टी में बदल देते हैं।

यूनाइटेड किंगडम, लंदन की रंगीन होली

लंदन में हर साल रंगों का त्योहार होली बड़े पैमाने पर आयोजित होता है। भारतीय समुदाय के साथ-साथ स्थानीय लोग भी इसमें भाग लेते हैं। ट्राफलगर स्क्वायर और विभिन्न पार्कों में रंग, संगीत और भारतीय व्यंजनों के साथ भव्य आयोजन होते हैं।

नेपाल

काठमांडू में होली बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मॉडर्न डीजे पार्टियां भी होती हैं। नेपाल में यह राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है।

ऑस्ट्रेलिया

यहां युवाओं की फेवरेट होली पार्टी आयोजित होती है। सिडनी और मैलबर्न में बड़े ओपन-एयर इवेंट्स आयोजित किए जाते हैं। यहां बॉलीवुड म्यूजिक, फूड ट्रक्स और इको-फ्रेंडली कलर्स का खास ध्यान रखा जाता है।

क्या पैसों की वजह से होता है झगड़ा? ऐसे करें बात, रिश्ता रहेगा मजबूत

सही संवाद, पारदर्शिता और टीमवर्क से कपल्स पैसों को लेकर होने वाले झगड़ों से बच सकते हैं। आइए जानते हैं बिना लड़ाई झगड़े के पैसों पर कैसे बात करें।

रिश्तों में प्यार, भरोसा और समझदारी जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है पैसों को लेकर खुलकर बातचीत करना। अक्सर देखा गया है कि कपल्स के बीच झगड़ों की सबसे बड़ी वजह पैसा होता है। खर्च, बचत, जिम्मेदारियां और भविष्य की योजनाएं बनाते समय उनके बीच बहस होना सामान्य है। लेकिन अगर सही तरीके से बातचीत की जाए, तो पैसों पर चर्चा रिश्ते को मजबूत भी बना सकती है। रिश्ते में पैसा दुश्मन नहीं है, बल्कि समझदारी की परीक्षा है। सही संवाद, पारदर्शिता और टीमवर्क से कपल्स पैसों को लेकर होने वाले झगड़ों से बच सकते हैं। याद रखें, आप दोनों एक टीम हैं और टीम में जीत हमेशा साथ मिलकर होती है।

पैसों की बात पर झगड़ा क्यों होता है?

अलग-अलग परवरिश और सोच

खर्च करने की आदतों में फर्क

छुपे हुए कर्ज या खर्च

भविष्य को लेकर अलग प्लान

जब पारदर्शिता की कमी होती है, तो गलतफहमियां बढ़ती हैं। इस लेख में जानिए कि बिना लड़ाई के पैसे पर कैसे बात करें और अपने रिश्ते को बेहतर बनाएं।

1. सही समय और माहौल चुनें

शांत माहौल में बैठें

मोबाइल और टीवी बंद रखें

बातचीत को बहस नहीं, चर्चा बनाएं

याद रखें, बातचीत का मकसद समस्या सुलझाना है, जीतना नहीं।

2. तुम नहीं, हम का इस्तेमाल करें

बात करते समय आरोप लगाने से बचें। जैसे, तुम हमेशा ज्यादा खर्च करते हो। इसके बजाए आप उनसे कहें, हमें मिलकर खर्चों को मैनेज करना चाहिए। इससे सामने वाला रक्षात्मक नहीं होगा।

बजट प्लान साथ में बनाएं - फोटो : ॅ२३ड्ड

3. बजट प्लान साथ में बनाएं

एक साथ बैठकर मासिक बजट बनाएं।

फिक्स खर्च

बचत

इमरजेंसी फंड

एंटरटेनमेंट बजट

जब दोनों की सहमति होगी, तो झगड़े की संभावना कम होगी।

4. पूरी ईमानदारी रखें

अगर कोई लोन, क्रेडिट कार्ड बिल या बड़ी फाइनेंशियल जिम्मेदारी है, तो उसे छुपाएं नहीं। ईमानदारी रिश्ते की नींव मजबूत करती है।

5. फाइनेंशियल गोल सेट करें

घर खरीदना

बच्चों की पढ़ाई

ट्रैवल प्लान

रिटायरमेंट

जब लक्ष्य साझा होंगे, तो पैसा लड़ाई की वजह नहीं, बल्कि सपनों का जरिया बनेगा।

6. इमोशनल समझदारी रखें

पैसा सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि भावनाओं से भी जुड़ा होता है।

कुछ लोग सुरक्षा के लिए बचत करते हैं, कुछ लोग खुशी के लिए खर्च।

एक-दूसरे की सोच को समझना जरूरी है।

7. जरूरत हो तो एक्सपर्ट की मदद लें

अगर पैसों को लेकर लगातार तनाव है, तो फाइनेंशियल प्लानर या रिलेशनशिप काउंसलर की मदद लेने में हिचकिचाएं नहीं।

पैसों पर स्वस्थ बातचीत के फायदे

भरोसा बढ़ता है

पारदर्शिता आती है

भविष्य सुरक्षित होता है

रिश्ते में सम्मान बना रहता है

तनाव कम होता है

अब चापलूस नेताओं को किनारे लगाएंगे अखिलेश, जनता के फीडबैक से मिलेगा 2027 का टिकट

लखनऊ (संवाददाता)। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी में इन दिनों एक अलग ही ह्यराजनीतिक योगह्न चल रहा है३ आसन वही पुराने हैं...बैठकें, समीक्षाएँ और रणनीतियां... लेकिन पार्टी का मंत्र बदल गया है... सूत्र बताते हैं कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव अब पार्टी के भीतर ह्यचापलूसी डिटॉक्सह्न मोड में हैं। यानी जो नेता अब तक पार्टी दफ्तरों की कुर्सियों और कैमरों के आसपास परिक्रमा करते दिखते थे अब उन्हें वो किनारे लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कहते हैं, सियासत में दो तरह के चेहरे होते हैं। एक वो जो जनता के बीच पसीना बहाते हैं, और दूसरे वो जो एसी हॉल में अपने नेताओं के पीछे अपना ह्यकैमरा एंगलह्न ढूंढते हैं३सपा में भी यही दो धाराएं अक्सर चर्चा में रहती हैं... पहली धारा के कार्यकर्ता गांव-गांव घूमकर जनता की समस्याओं को अपनी डायरी में नोट करते हैं। दूसरी धारा के कुछ नेता पार्टी दफ्तर में आकर कैमरे की फ्लैश में ह्यजनसेवा का ग्लो तलाशते हैं... फर्क बस इतना कि एक धारा जनता के बीच पहचान बना रही है और दूसरी धारा पोस्टर और प्रोफाइल पिक्चर के भरोसे टिकट की तलाश में है,,मगर अब पार्टी की रणनीति बदल रही है।

इमाद वसीम की पूर्व पत्नी ने व्हाट्सएप चैट किया लीक, कहा- गर्भावस्था में छोड़ा, मदद मांगी तो दी धमकी

कराची। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमाद वसीम पर उनकी पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने गर्भावस्था के दौरान साथ छोड़ने और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। सानिया ने व्हाट्सऐप चैट्स साझा कर दावा किया कि इमाद ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। इमाद ने पहले अपनी शादी को जीवन का कठिन दौर बताया था। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमाद वसीम एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनकी पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सानिया का दावा है कि जब वह अपने तीसरे बच्चे के साथ गर्भवती थीं, तब इमाद ने उन्हें अकेला छोड़ दिया और समर्थन देने के बजाय कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब 37 वर्षीय इमाद ने हाल ही में अपनी दूसरी शादी की पुष्टि की। उन्होंने नायला रजा से निकाह किया, जो सानिया से अलगाव की घोषणा के कुछ महीनों बाद हुआ। व्हाट्सएप चैट से बढ़ा विवाद सानिया ने सोशल मीडिया पर जुलाई 2025 की व्हाट्सएप चैट्स के स्क्रीनशॉट साझा किए हैं।

इन संदेशों में कथित तौर पर इमाद उन्हें चेतावनी देते दिख रहे हैं कि यदि वह उनसे या उनके परिवार से संपर्क करेंगी तो वह पुलिस में शिकायत दर्ज करा देंगे। सानिया ने पोस्ट में लिखा, 'इमाद वसीम कहते हैं कि मैं उनके बच्चों को उनसे दूर रखती हूं, लेकिन जब मैं उनके बच्चे को गर्भ में लिए हुई थी, थकी हुई, भावुक और कमजोर स्थिति में थी, तब मैंने उनसे संपर्क किया। मैंने कोई अनुचित मांग नहीं की थी। मैंने सिर्फ इतना कहा था कि वह अपने अजन्मे बेटे से मिलने आएं, उसका ख्याल रखें, थोड़ा सा प्यार दिखाएं। लेकिन समर्थन के बजाय उन्होंने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने दोबारा संपर्क किया तो वह मेरे खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज कर देंगे।' इमाद वसीम का जवाब इससे पहले इमाद ने एक विस्तृत बयान जारी कर कहा था, 'मेरी पहली शादी के बाद का दौर मेरी जिंदगी के सबसे कठिन अध्यायों में से एक था। लेकिन उसी अध्याय ने मुझे मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी नेमत दी, मेरे बच्चे। मैं उन्हें शब्दों से परे प्यार करता हूं, और यह प्यार कभी नहीं बदलेगा।' उन्होंने यह भी स्वीकार किया, 'मुझे जितना रुकना चाहिए था, मैं उससे ज्यादा समय तक रुका रहा। उम्मीद बनाए रखने और जो मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण था, उसे बचाने की कोशिश करता रहा। इस दौरान मैंने कुछ ऐसे फैसले लिए जिनका मुझे अफसोस है।' इमाद ने यह भी माना कि उनकी चुप्पी के कारण एक निर्दोष व्यक्ति को आलोचना झेलनी पड़ी, जिसकी जिम्मेदारी वह लेते हैं। पूर्व पत्नी का पलटवार इमाद के बयान के बाद सानिया अशफाक ने भी सोशल मीडिया पर तीखा पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, 'अब सबके सामने सच आ चुका है। इस घर तोड़ने वाले ने एक बार भी मेरे बच्चों के बारे में नहीं सोचा। यह धोखेबाज आखिरकार बेनकाब हो गया है। मैं अपने बच्चों के लिए और जो कुछ हमने सहा है उसके लिए इंसाफ चाहती हूं।' सानिया के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोग इमाद के समर्थन में नजर आए तो कुछ ने सानिया की पीड़ा को जायज ठहराया। सानिया ने कहा- हत्यारा है इमाद सानिया ने इमाद को हत्यारा भी बताया था और लिखा, 'दिसंबर 2023 में इमाद ने लाहौर में मेरा गर्भपात करवाया गया। वह एक हत्यारा है और मेरे पास इसका वीडियो सबूत है। उसने मुझे धोखा दिया। इस्लामाबाद यूनाइटेड (इमाद की ढरछ टीम) ने एक हत्यारे और धोखेबाज को मौका दिया है। इस्लामाबाद यूनाइटेड का बहिष्कार करें। किसी हत्यारे या धोखेबाज को बच निकलने का मौका नहीं मिलना चाहिए।' हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इमाद और सानिया की शादी 2019 में हुई थी और दिसंबर 2025 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के तीन बच्चे हैं। इनमें एक बेटी (जन्म 2021) और दो बेटे शामिल हैं। इनमें सबसे छोटा महज सात महीने का है। तलाक के सिर्फ दो महीने बाद इमाद की दूसरी शादी ने विवाद को और हवा दे दी। खेल से इतर निजी जीवन की जंग इमाद वसीम पाकिस्तान के लिए 55 वनडे और 75 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। मैदान पर उनकी पहचान एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में रही है, लेकिन फिलहाल वह निजी जीवन से जुड़े आरोपों के कारण चर्चा में हैं। यह मामला अब सोशल मीडिया पर बहस का विषय बन चुका है। फिलहाल दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं और आधिकारिक जांच या कानूनी प्रक्रिया को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

बीसीसीआई और भारत के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, बांग्लादेश के खेल मंत्री अमीनुल हक का बयान

ढाका। बांग्लादेश के खेल मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अमीनुल हक ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं और सारे मुद्दों को जल्द सुलझाना चाहते हैं। बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो चुका है। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद तारिक रहमान ने भारत के साथ पिछले एक साल के अंदर खराब हुए रिश्ते सुधारने की कोशिश तेज कर दी है। बांग्लादेश के नए खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ संबंध बेहतर करना चाहते हैं। रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश

खेल मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अमीनुल हक ने कहा कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं और सारे मुद्दों को जल्द सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने कहा,'शपथ लेने के बाद, मैं संसद भवन में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। उनसे टी20 विश्व कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं।' 'भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं' अमीनुल हक ने कहा, 'खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। राजनीतिक दिक्कतों के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। अगर चर्चा हुई होती, तो उन मुद्दों का समाधान हो गया होता और हमारी टीम विश्व कप का हिस्सा होती।' आईसीसी ने बाहर किया था बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के बाद बीसीसीआई ने केकेआर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 की अपनी टीम से बाहर करने का आदेश दिया था। केकेआर ने बोर्ड का आदेश माना था। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया और अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग आईसीसी से की। आईसीसी ने बांग्लादेश की मांग नहीं मानी जिसके बाद अपनी सरकार की सलाह पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने का फैसला किया था। बांग्लादेश की जगह आईसीसी ने स्कॉटलैंड को विश्व कप में जगह दी थी।

ऐसा क्या हुआ कि रन नहीं बना पा रहे अभिषेक, किसी की नजर लगी या उम्मीदों का बोझ नहीं ढो पा रहे?

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप 2026 में अभिषेक शर्मा लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म और मानसिक स्थिति पर सवाल उठे हैं। सुनील गावस्कर और आकाश चोपड़ा ने कहा कि उम्मीदों का दबाव और जल्दबाजी उनके खेल को प्रभावित कर रही है। सुपर-8 से पहले का ब्रेक उनके लिए अहम साबित हो सकता है। टी20 विश्व कप 2026 में दुनिया के नंबर-एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का बल्ला खामोश नजर आ रहा है। अमेरिका और पाकिस्तान के खिलाफ असफल रहने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ भी वह खाता नहीं खोल सके। 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अभिषेक तीन गेंदों में शून्य पर बोल्ड हो गए। यह इस टूर्नामेंट में उनका तीसरा शून्य रहा। जो खिलाड़ी पिछले डेढ़ साल से विश्व क्रिकेट में तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाना जा रहा था, वही अब संघर्ष करता दिख रहा है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह केवल खराब फॉर्म है या उम्मीदों का दबाव या फिर उन्हें किसी की नजर लग गई है? कैसे हुए आउट? नीदरलैंड्स के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त की एक तेज स्लाइडर गेंद अभिषेक की स्टंप्स से जा टकराई। उन्होंने गेंद की लंबाई को गलत पढ़ा और आगे बढ़ने के बजाय बैकफुट पर चले गए। गेंद अंदर आई और सीधा स्टंप्स उखाड़ गई। आउट होने के बाद अभिषेक ने सिर पीछे झटकते हुए खुद से नाराजगी जाहिर की, जो उनके मानसिक दबाव की ओर इशारा करता है। सुनील गावस्कर का बयान पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने मैच के बाद कहा कि युवा बल्लेबाज पर उम्मीदों का बोझ साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन पर उम्मीदों का बोझ भारी पड़ रहा है। अगर पहले मैच में उन्हें तेज शुरूआत मिल जाती तो स्थिति अलग हो सकती थी, लेकिन अब आप देख सकते हैं कि सर्वश्रेष्ठ सिक्स-हिटर और नंबर-एक बल्लेबाज होने की अपेक्षाएं उन पर हावी हो रही हैं।' गावस्कर ने यह भी सलाह दी कि अभिषेक को शुरूआत में थोड़ा समय लेना चाहिए। गावस्कर ने कहा, 'उनके पास शॉट्स की शानदार रेंज है, लेकिन उन्हें खुद को थोड़ा समय देना होगा। हर गेंद पर चौका या छक्का मारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर चार डॉट गेंदें भी हो जाएं, तो बाद में उसकी भरपाई की जा सकती है। पहले एक-दो ओवर खुद को सेट करें, पैरों में मूवमेंट लाएं, फिर अपने शॉट्स खेलें।' आकाश चोपड़ा की राय पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने भी अभिषेक की तकनीक पर सवाल उठाए। उनका मानना है कि अभिषेक शुरूआत में क्रॉस-बैट शॉट्स खेलने लगे हैं, जबकि उनकी असली ताकत सीधे बल्ले से लाइन के साथ शॉट खेलने में है। चोपड़ा का मानना है कि हल्की टर्न और ग्रिप वाली पिच पर भी अभिषेक को अपनी नैचुरल गेम पर भरोसा रखना चाहिए और सीधे शॉट्स खेलते रहना चाहिए। फैंस कह रहे- नजर लग गई वहीं, सोशल मीडिया पर फैंस का कहना है कि उन्हें नजर लग गई है। पिछले साल अभिषेक ने कई ताबड़तोड़ पारियां खेलीं और अब लोग उनसे इतनी उम्मीद लगा बैठे कि उन्हें नजर लग गई। हालांकि, फैंस का अभी भी उन्हें समर्थन है और उनके जल्द से जल्द फिर से दमदार वापसी में लौटने की उम्मीद जताई है। बीमारी और रणनीति का असर रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से पहले अभिषेक हल्की बीमारी से जूझ रहे थे। इसके अलावा विरोधी टीमों ने भी उनके खिलाफ विशेष रणनीति बनाई है। पावरप्ले में उन्हें टाइट लाइन-लेंथ और स्पिन का मिश्रण दिया जा रहा है, जिससे वह खुलकर शॉट नहीं खेल पा रहे। लगातार असफलता से मानसिक दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। यही कारण है कि मैदान पर उनकी बॉडी लैंग्वेज भी बदली हुई नजर आ रही है। आगे का रास्ता भारत को अब सुपर-आठ मुकाबले से पहले तीन दिन का ब्रेक मिला है। अगला मैच भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ही खेला जाएगा। यात्रा नहीं होने से अभिषेक को आराम और मानसिक संतुलन पाने का मौका मिलेगा। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि एक अच्छी पारी अभिषेक का आत्मविश्वास लौटा सकती है। उनकी प्रतिभा पर किसी को संदेह नहीं है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट में मानसिक मजबूती भी उतनी ही जरूरी होती है।

पिछली 8 T20I पारियों में पांच शून्य

खिलाफ	रन	गेंदबाजी	तारीख	मैदान
नीदरलैंड्स	0	10/0	18 फरवरी 2026	अहमदाबाद
पाकिस्तान	0	—	15 फरवरी 2026	कोलंबो
अमेरिका	0	—	07 फरवरी 2026	मुंबई
न्यूजीलैंड	30	13/0	31 जनवरी 2026	तिरुवनंतपुरम
न्यूजीलैंड	0	—	28 जनवरी 2026	विशाखापत्तनम
न्यूजीलैंड	68*	—	25 जनवरी 2026	गुवाहाटी
न्यूजीलैंड	0	12/0	23 जनवरी 2026	रायपुर

नौ दिन में 12 मैच, यहां देखें पूरा कार्यक्रम; सुपर-8 में चार टीमें होंगी बाहर

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे हैं, जबकि ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान शामिल हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। टी20 विश्वकप का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। ग्रुप स्टेज खत्म होने को है और अगले राउंड यानी सुपर आठ राउंड के लिए आठ टीमें फाइनल हो चुकी हैं। आईसीसी द्वारा प्री सीडिंग की ज्यादातर टीमें सुपर आठ में है। बस एक ऑस्ट्रेलिया की जगह जिम्बाब्वे को सुपर आठ में एंट्री मिली है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर इतिहास रचा। जिन आठ टीमों ने सुपर-आठ के लिए क्वालिफाई किया है। उनमें भारत, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड शामिल है। आईसीसी द्वारा तय प्री-सीडिंग के मुताबिक, सुपर-आठ राउंड में भारत, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे एक ग्रुप में होंगे। वहीं, न्यूजीलैंड इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान दूसरे ग्रुप में होंगे। सुपर-आठ राउंड में ये आठ टीमें अपने ग्रुप में एक दूसरे से भिड़ेंगी और दोनों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। 21 से होगी सुपर-8 मुकाबलों की शुरूआत अभी ग्रुप राउंड के दो चार मैच बचे हैं। 19 फरवरी को वेस्टइंडीज-इटली, श्रीलंका-जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान-कनाडा का मैच है, जबकि 20 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया-ओमान आमने-सामने होंगे। सुपर आठ राउंड की शुरूआत 21 फरवरी से होगी और इसके मुकाबले एक मार्च तक खेले जाएंगे। नौ दिन में कुल मिलाकर 12 मुकाबले खेला जाएंगे। सुपर आठ राउंड में अधिकतर तारीख को दिन में एक मुकाबला है। 21, 23, 24, 25, 27 और 28 फरवरी को एक-एक मुकाबला है, जबकि, 22, 26 और एक मार्च को डबर हेडर है। सुपर आठ में जिन तारीखों को एक मुकाबला है, वह मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होंगे और टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी शाम साढ़े छह बजे होगा। वहीं, जिस दिन डबल हेडर है, उस दिन पहला मुकाबला दोपहर तीन बजे से और दूसरा मुकाबला शाम सात बजे से खेला जाएगा। दोपहर तीन बजे वाले मुकाबले में टॉस दोपहर ढाई बजे होगा। इन सात शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले कुल 12 मुकाबले अलग-अलग शहरों में होंगे। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि चार टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगी। सुपर आठ के मुकाबले भारत और श्रीलंका के विभिन्न शहरों में खेले जाएंगे। श्रीलंका के दो शहरों कोलंबो, पल्लेकेले, जबकि भारत के पांच शहरों अहमदाबाद, मुंबई, चेन्नई, दिल्ली और कोलकाता को सुपर आठ राउंड के मैचों के लिए चुना गया है। सुपर-आठ का समीकरण सुपर-आठ में हर टीम अपने ग्रुप की बाकी तीन टीमों से भिड़ेगी, यानी एक टीम कुल तीन मैच खेलेगी। अंक तालिका में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। नेट रन रेट (ठफ्फ) अहम भूमिका निभा सकता है। भारत को दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी, जबकि ग्रुप-2 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे शामिल हैं। वहीं ग्रुप-2 में न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को रखा गया है। हर टीम अपने ग्रुप की अन्य तीन टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। अंक तालिका में शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि बाकी चार टीमों का सफर यहीं समाप्त हो जाएगा।

मुंबई में जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने तेंदुलकर को किया सम्मानित

मुंबई। मुंबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने क्रिकेट दिग्गज सचिन तेंदुलकर को सम्मानित किया। दोनों ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों, विशेषकर युवाओं, से सतत विकास और हरित जीवनशैली अपनाने की अपील की। मुंबई में

आयोजित जलवायु परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संकट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। पर्यावरण संरक्षण पर जोर कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर चिंता व्यक्त की और लोगों से पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की। शुभांशु शुक्ला ने विज्ञान और तकनीक की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान भी पृथ्वी की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। सचिन का संदेश सचिन तेंदुलकर ने युवाओं से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने हरित पहल और सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई।

सरकार बदली, सुर बदले! बांग्लादेश के नए खेल मंत्री ने कहा- शाकिब-मुर्तजा की वापसी चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश की नई सरकार में खेल मंत्री अमीनुल हक ने संकेत दिया है कि शाकिब अल हसन और मशरफे मुर्तजा के खिलाफ दर्ज मामलों को जल्द सुलझाकर उनकी टीम में वापसी कराई जा सकती है। दोनों पूर्व सांसद रहे हैं और राजनीतिक उथल-पुथल के बाद विवादों में घिरे थे। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद खेल जगत में भी नई हलचल देखने को मिल रही है। बीएनपी नेतृत्व वाली नई सरकार में युवा एवं खेल राज्य मंत्री बने अमीनुल हक ने संकेत दिया है कि दिग्गज क्रिकेटर

शाकिब अल हसन और मशरफे मुर्तजा की बांग्लादेश क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ किया जा सकता है। 12 फरवरी को हुए आम चुनावों में भारी जीत के बाद नई सरकार बनी है। अमीनुल हक, जो कभी बांग्लादेश फुटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं, उन्होंने मीरपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को जल्द सुलझाने की बात कही। शाकिब-मुर्तजा पर दर्ज हैं कई मामले शाकिब और मुर्तजा दोनों पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान सांसद रहे थे। अगस्त 2024 में सरकार के खिलाफ हुए व्यापक प्रदर्शनों के बाद हालात बदले और दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ हत्या समेत कई गंभीर मामले दर्ज किए गए। नई सरकार बनने के बाद अमीनुल हक ने कहा, 'शाकिब और मुर्तजा से जुड़ा मामला सरकार देखेगी। हम इस मुद्दे पर लचीला रुख अपनाएंगे। उनके खिलाफ दर्ज मामलों को सरकार संभालेगी। हम चाहते हैं कि शाकिब वापसी करें।' उन्होंने आगे कहा, 'चूंकि उनके खिलाफ मामले दर्ज हैं, हमें उम्मीद है कि वे जल्द सुलझ जाएंगे ताकि वे खेल में लौट सकें। हम चाहते हैं कि शाकिब और मुर्तजा बांग्लादेश क्रिकेट में फिर से दिखाई दें।' शाकिब अभी एक्टिव प्लेयर हैं, जबकि मुर्तजा संन्यास ले चुके हैं। हालांकि, बांग्लादेश क्रिकेट के दिग्गज होने के नाते मशरफे बतौर कोचिंग स्टाफ या चयनकर्ता बड़ा रोल निभा सकते हैं। पिछली सरकार का रुख अलग था सितंबर 2025 में अंतरिम सरकार के दौरान खेल सलाहकार आसिफ महमूद शोजिब भुइयां ने स्पष्ट कहा था कि शाकिब को राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उस समय राजनीतिक परिस्थितियां अलग थीं। शाकिब पिछले डेढ़ साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं, हालांकि वह दुनिया भर की टी20 फ्रेंचाइजी लीग में सक्रिय रहे हैं। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 के अंत में भारत के खिलाफ कानपुर टेस्ट था। वहीं 42 वर्षीय मुर्तजा 2024 के आंदोलन से पहले घरेलू क्रिकेट में नियमित रूप से खेल रहे थे। भारत से रिश्ते सुधारने की पहल अमीनुल हक ने भारत के साथ खेल संबंधों को बेहतर बनाने की भी बात कही।

क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत

उन्नाव। उन्नाव के शुक्लागंज में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई और 15-20 खिलाड़ी घायल हुए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। क्रिकेट संघ ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्रिकेट मैच के दौरान

मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया, जिसमें 65 वर्षीय अंपायर मणिक गुप्ता की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 खिलाड़ी घायल हो गए। यह घटना बुधवार शाम शुक्लागंज क्षेत्र के सप्रीू मैदान में हुई। पुलिस के मुताबिक, कानपुर निवासी मणिक गुप्ता मैच में अंपायरिंग कर रहे थे, तभी अचानक मधुमक्खियों का झुंड मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों पर टूट पड़ा। हमले के बाद मैदान में अफरातफरी मच गई और खिलाड़ी व दर्शक जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। अस्पताल ले जाते समय बिगड़ी हालत प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक से मणिक गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें पहले शुक्लागंज के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल रेफर किया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अंपायर और करीब 15-20 खिलाड़ियों को भी मधुमक्खियों ने डंक मारा, जिनका इलाज कराया गया। क्रिकेट संघ ने जताया शोक कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. एन. सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, 'उन्नाव में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में अंपायर मणिक गुप्ता का निधन हो गया। जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब भी मधुमक्खियां उनके चेहरे और शरीर से चिपकी हुई थीं, जिससे हमले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'संघ इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।' जांच और सुरक्षा पर सवाल घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मैदान के आसपास मधुमक्खियों का छत्ता होने की संभावना जताई जा रही है। इस दुखद हादसे ने खेल आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सरकार प्रतिबद्ध-कश्यप

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के डॉ आर के वर्मा ने आज विधानसभा में पूछा कि2022 से 2025 तक पिछड़े वर्ग के कितने युवक और युवतियों को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया और कितने लोगों को सरकारी अनुदान देकर रोजगार स्थापित कराया गया। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने विधानसभा में प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार पिछड़ा वर्ग कल्याण से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वित्त विकास निगम योजना 1993-94 में प्रारंभ हुई थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों के समय इसमें अनियमितताएं और दुरुपयोग के आरोप सामने आए, जिसके चलते वर्ष 2012-13 में इसे बंद कर दिया गया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने वर्ष 2019 में केंद्र के राष्ट्रीय निगम का लगभग 57 करोड़ रुपये का बकाया ऋण चुकाकर निगम की साख बचाने का कार्य किया। वर्तमान सरकार ने पिछड़ा वर्ग हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के साथ योजनाओं को पुनर्जीवित करने का काम किया है।

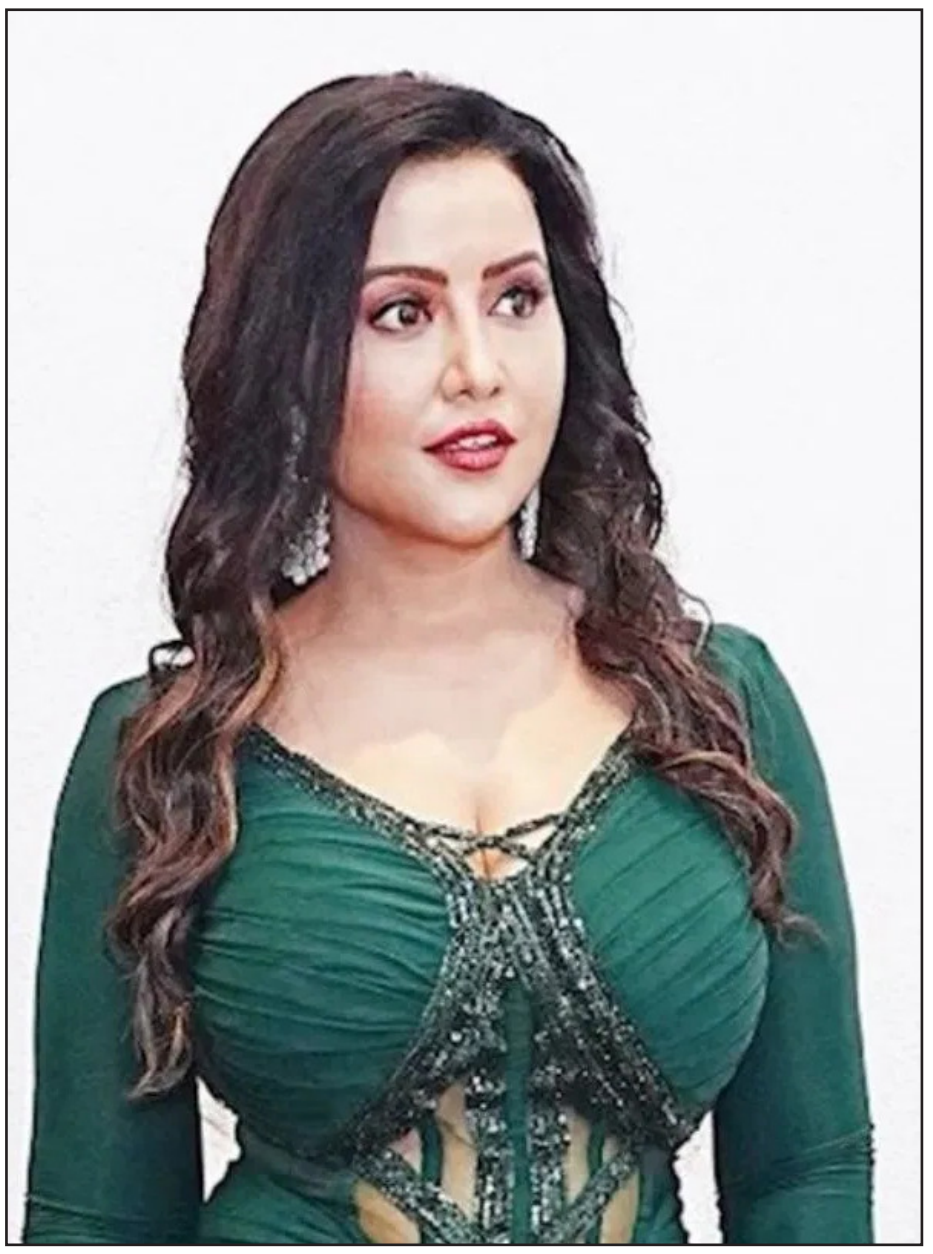

एक्टिंग में डेब्यू के सवाल पर क्या बोलीं अमृता फडणवीस

सिंगर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता सिंह ने अपने पैशन को लेकर बात की है। उन्होंने बताया है कि वह एक्टिंग में आने को लेकर क्या सोचती हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस अपने नए भक्ति गीत 'शंभू रे' को लेकर चचाओं में हैं। सिंगर के इस गीत को दर्शक काफी प्यार दे रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपने संगीत सफर के बारे में बताया है। साथ ही अभिनय क्षेत्र में कदम रखने के सवाल पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक्टिंग में आने के सवाल पर क्या बोलीं अमृता?

अमृता फडणवीस पूछा गया कि मनोरंजन जगत से काफी नजदीक से जुड़ी हैं, ऐसे में क्या उन्होंने कभी एक्टिंग करने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने बताया, 'मुझे कई बार फिल्मों के ऑफर आते रहे हैं। लेकिन, हर बार मैंने इन ऑफर्स को विनम्रता के साथ मना किया है। मेरा मानना है कि हर इंसान का जीवन में एक रास्ता तय होता है और अभिनय मेरा रास्ता नहीं है। संगीत मेरा पहला और आखिरी प्यार है। यह वह कला है जो मुझे स्वाभाविक रूप से आती है और इसमें मैं खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हूं। मैं वही काम करना चाहती हूं, जिससे मैं पूरी ईमानदारी से जुड़ी रहूं और वह काम मेरे लिए संगीत ही है।'

सिंगर ने पैशन पर रखी राय

अपने पैशन के बारे में बात करते हुए अमृता ने कहा, 'संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा है। जिस तरह इंसान बिना सांस के नहीं रह सकता, उसी तरह मैं संगीत के बिना खुद को अधूरा महसूस करती हूं। चाहे देर रात हो या सुबह का सुकून भरा वक्त, जब भी समय मिलता है, मैं शास्त्रीय संगीत का अभ्यास करती हूं। सुरों की साधना और रियाज मेरी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।'

कब रिलीज हुआ भक्ति गीत?

आपको बता दें कि अमृता फडणवीस का भक्ति गीत 'शंभू रे' 14 फरवरी को रिलीज हुआ। बेहद कम समय में दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस गाने को अब तक 9 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अमृता फडणवीस की आवाज में 'शंभू रे' का संगीत मोटी शर्मा ने तैयार किया है। गीत के बोल सृजन विनय वैष्णव ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन राजीव वालिया ने किया है।

मुझे फिल्म पर बहुत गर्व है, ओ रोमियो की आलोचनाओं पर बोले विशाल भारद्वाज; कहा- ये मेरी सबसे सफल फिल्म होगी

विशाल भारद्वाज ने अपनी हालिया फिल्म ओ रोमियो की आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए उन्होंने क्यों कहा कि उन्हें इस फिल्म पर गर्व है

विशाल भारद्वाज की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज फिल्म निर्देशकों में होती है। उन्होंने मकबूल, ओमकारा और हैदर जैसी कल्ट फिल्में

बनाई हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। क्रिटिक्स से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। हालांकि, विशाल भारद्वाज का मानना है कि यह उनकी सबसे सफल फिल्मों में से एक हो सकती है।

यह मेरे जीवन की सबसे सफल फिल्म होगी

पीटीआई से बातचीत में विशाल भारद्वाज ने कहा कि फिल्म को लेकर क्रिटिक्स की चाहें जो भी राय हो, लेकिन उन्हें भरोसा है कि यह उनकी अब तक की सबसे सफल फिल्मों में से एक हो सकती है। मुझे यह इसलिए कहना पड़ रहा है ताकि उन आलोचकों का दिल टूट जाए जिन्होंने फिल्म की आलोचना की थी। उनकी राय चाहे जो भी रही हो, यह मेरे जीवन की सबसे सफल फिल्म होगी। मुझे इस फिल्म पर बहुत गर्व है। मुझे इस पर जरा भी शर्म नहीं है। मैं बहुत खुश हूं। मैंने जो हिंसा और प्रेम की कहानी गढ़ी है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

ओ रोमियो का अब तक कलेक्शन

ओ रोमियो के निमार्ता नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के अनुसार, फिल्म ने 9.01 करोड़ रुपए के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरूआत की थी। इसके बाद शुरूआती तीन दिनों में फिल्म सिर्फ 14.50 करोड़ रुपए की ही कमाई कर पाई। भारी गिरावट के बाद, फिल्म ने संभलते हुए वीकेंड में 5.10 करोड़, 5.90 करोड़ और 3.90 करोड़ की कमाई की, जिससे अब तक फिल्म का घरेलू कुल कलेक्शन 49.41 करोड़ हो गया है। जबकि फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 75.80 करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ओ रोमियो ने शाहिद कपूर की देवा के लाइफटाइम कलेक्शन को पार कर लिया है, जिसने वर्ल्डवाइड 55.80 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है फिल्म

विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म में शाहिद कपूर ने उस्तरा की भूमिका निभाई है, जबकि तृप्ति डिमरी अफ्शा के किरदार में नजर आई हैं। इसके अलावा फिल्म में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, विक्रांत मैसी, फरीदा जलाल और हुसैन दलाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म 1995 में मुंबई पर आधारित है।

इस दिन रिलीज होगा यश स्टारर टॉक्सिक का टीजर

फिल्म 'टॉक्सिक' के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है कि वह इस फिल्म का टीजर कब रिलीज करने जा रहे हैं। आइए जानते हैं।

अभिनेता यश पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म के कलाकारों के लुक सामने आए हैं। इसके बाद इस फिल्म की पहली झलक दिखी थी। इस पर काफी विवाद हुआ था। अब मेकर्स ने फिल्म के टीजर रिलीज करने की तारीख का एलान किया है।

कब रिलीज होगा टीजर?

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टॉक्सिक का एक पोस्टर जारी किया है। इसमें बताया गया है कि फिल्म का टीजर कल 20 जनवरी 2026 को सुबह 9:35 बजे जारी होगा। पोस्टर पर यह भी लिखा है कि यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फैंस फिल्म के टीजर को लेकर उत्साहित हैं।

पहली झलक की आलोचना

आपको बता दें कि यश के जन्मदिन (08 जनवरी) पर मेकर्स ने 'टॉक्सिक' की पहली झलक दिखाई थी। कुछ यूजर्स ने इसे बहुत बोल्ड बता कर इसकी आलोचना की थी, तो वहीं कुछ लोग इसके सपोर्ट में थे। फिल्म की पहली झलक में यश एक महिला के साथ बोल्ड अंदाज में रोमांस करते नजर आए थे।

कौन हैं निर्देशक?

फिल्म 'टॉक्सिक' की निर्देशक गीतू मोहनदास हैं। यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसी दिन सिनेमाघरों में फिल्म 'धुरंधर 2' भी रिलीज होने वाली है। टॉक्सिक से यश के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया, नयनतारा और रुक्मणी वसंत के लुक सामने आ चुके हैं। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मिलाप जावेरी की नई फिल्म तेरा यार हूं मैं का फर्स्ट लुक आया सामने; इस दिन होगी रिलीज; डेब्यू करेगा ये एक्टर

मिलाप जावेरी एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म तेरा यार हूं मैं का फर्स्ट लुक सामने आया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित हो गई है। जानिए कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी ये फिल्म

पिछले साल आई रोमांटिक फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के निर्देशक मिलाप जावेरी की नई फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है। इस बार मिलाप जावेरी प्यार, दर्द और संगीत की कहानी तेरा यार हूं मैं लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने जा रहे हैं।

22 मई को रिलीज होगी फिल्म

मेकर्स ने फिल्म की घोषणा करते हुए एक मोशन पोस्टर जारी किया है। इसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं।

साथ में पीछे जुबीन नौटियाल की आवाज में एक लाइन भी सुनाई देती है। इसको शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, प्यार, दर्द और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं की रिलीज डेट तय हो गई है। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में आ रही है। यह रोमांचक लव स्टोरी बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन करेंगे बॉलीवुड में डेब्यू

अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, फिल्म की कास्ट की बात करें तो तेरा यार हूं मैं से धमाल जैसी फिल्म के निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रहे हैं। यह उनकी पहली फिल्म है। उनके साथ आकांक्षा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। जबकि फिल्म की कास्ट में परेश रावल का नाम भी नजर आ रहा है। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

पिछले साल आई थी मिलाप जावेरी की एक दीवाने की दीवानियत

मिलाप जावेरी की आखिरी निर्देशित फिल्म मस्ती फ्रेंचाइजी की मस्ती 4 है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म एक दीवाने की दीवानियत भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने काफी चचाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो तेरा यार हूं मैं के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

ग्रैमी में रिकॉर्ड बनाने वाले बैड बनी को मिली पहली फिल्म, प्युअर्टो रिको में निभाएंगे लीड रोल

हाल ही में सुपर बाउल हाफटाइम शो में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सुर्खियां बटोरने वाले बैड बनी इससे पहले ब्रैड पिट की फिल्म बुलेट ट्रेन और कॉट स्टीलिंग जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। लेकिन पहली बार वे किसी फिल्म में वे लीड रोल में नजर आएंगे।

प्योर्टो रिको के ग्लोबल सुपरस्टार बैड बनी अब बड़े पर्दे पर लीड रोल में नजर आने वाले हैं। वे ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म प्युअर्टो रिको में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह उनकी पहली फीचर फिल्म होगी, जिसमें वे बतौर लीड स्टार दिखाई देंगे।

प्योर्टो रिको के इतिहास पर होगी फिल्म

प्युअर्टो रिको को मेकर्स ने एपिक कैरेबियन वेस्टर्न बताया है। यह फिल्म प्योर्टो रिको के इतिहास और उसकी जड़ों को सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानी के जरिए दिखाएगी। खास बात यह है कि फिल्म का निर्देशन ग्रैमी विनिंग रैपर रेसिडेंटे करेंगे, जो इस फिल्म से बतौर निर्देशक डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में बैड बनी के साथ एडवर्ड नॉर्टन, जेवियर बार्डेम और विग्गो मोर्टेंसन जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे।

बैड बनी ने ग्रैमी में मचाया था धमाल

रेसिडेंटे ने बयान में कहा, मैं बचपन से अपने देश पर फिल्म बनाना चाहता था। प्योर्टो रिको का असली इतिहास हमेशा विवादों में रहा है। यह फिल्म हमारी पहचान को ईमानदारी और तीव्रता के साथ पेश करेगी।

बैड बनी के लिए यह महीना बेहद खास रहा है। सुपर बाउल में धमाकेदार परफॉर्मेंस के बाद उन्होंने ग्रैमी अवॉर्ड्स में इतिहास रच दिया। उनका एल्बम देबि तिरार मॉस फोटोस एल्बम ऑफ द ईयर जीतने वाला पहला स्पेनिश भाषा का एल्बम बना। अब फैंस को बेसब्री से इंतजार है कि म्यूजिक के बाद बैड बनी एक्टिंग की दुनिया में कितना बड़ा धमाका करते हैं।

सामने आया विजय-रश्मिका की शादी का इन्विटेशन बॉक्स

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी को लेकर लगातार खबरें आ रही हैं। शादी के कार्ड की झलक सामने आने के बाद अब इन्विटेशन बॉक्स का वीडियो सामने आया है। जानिए अतिथियों को क्या-क्या तोहफे दे रहे विजय-रश्मिका

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी की खबरें इन दिनों बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। खबरों के मुताबिक, उनकी शादी में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। हाल ही में विजय देवरकोंडा के सजे हुए घर का वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। वहीं वेडिंग कार्ट की भी एक झलक सोशल मीडिया पर छाई हुई है। अब दोनों की शादी के वेडिंग कार्ड से जुड़ी एक और जानकारी सामने आई है। दोनों ने एक बॉक्स में वेडिंग इन्विटेशन भेजा है। अब इस बॉक्स का एक वीडियो सामने आया है, जिससे पता चलता है कि बॉक्स के अंदर क्या गिफ्ट्स हैं?

बॉक्स में हैं ये गिफ्ट्स

ऐसा बताया जा रहा है कि विजय और रश्मिका का वेडिंग इन्विनेशन पारंपरिक कार्डों के बजाय एक प्रीमियम गिफ्ट बॉक्स वाला है। इसमें कपल से जुड़ी चीजें शामिल हैं। अब इस प्रीमियम गिफ्ट बॉक्स का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिससे पता चलता है कि इस बॉक्स के अंदर क्या-क्या है।

सबसे खास है नेशनल क्रश नाम का परफ्यूम, जो रश्मिका मंदाना के मशहूर टाइटल से प्रेरित है और उनके हाल ही में लॉन्च हुए परफ्यूम ब्रांड को समर्पित है। बॉक्स में हैंड क्रीम और फुट क्रीम भी शामिल हैं। एक और पर्सनल टच देते हुए विजय देवरकोंडा के कपड़ों के ब्रांड से जुड़ी रॉडी टी-शर्ट भी शामिल है। इतना ही नहीं इस बॉक्स में काजू और मिठाई का एक डिब्बा भी शामिल है।

पिछले दिनों सामने आई थी शादी के कार्ड की झलक

इससे पहले पिछले दिनों दोनों की शादी का इन्विटेशन कार्ड भी वायरल हुआ था। जिससे यह पता चला था कि 26 फरवरी को दोनों शादी करने वाले हैं। जबकि कार्ड में 4 मार्च को दोनों के रिसेप्शन के बारे में भी जानकारी थी। खबरों के मुताबिक, रिसेप्शन में फिल्म जगत की कई हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

बताया जा रहा है कि दोनों ने मीडिया की मौजूदगी के बिना एक निजी समारोह आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की है। वहीं खबरें हैं कि शादी को प्राइवेट रखते हुए नो मोबाइल फोन पॉलिसी को भी लागू किया गया है। यानी कोई अतिथि पार्टी में फोन लेकर नहीं जा सकता।

खबरें ये भी सामने आ रही हैं कि रश्मिका और विजय मीडियाकर्मियों के लिए लंच का आयोजन करने की योजना बना रहे हैं। इस बारे में अभी तक इस जोड़े या उनके परिवार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

गीता गोविंदम के सेट पर हुई थी मुलाकात

फिलहाल अभी तक कपल या उनके परिवार की ओर से शादी को लेकर कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा गया है। लेकिन अब जैसे-जैसे जानकारियां निकलकर सामने आ रही हैं, उससे ऐसा लगता है कि दोनों की शादी में अब एक हफ्ते का ही समय बाकी रह गया है। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की मुलाकात 2018 में फिल्म 'गीता गोविंदम' की शूटिंग के दौरान हुई थी। वहीं से दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार शुरू हो गया।

कौशल विभाग से सीधी सरकारी नौकरी नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विधानसभा में आज प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि कौशल विकास विभाग के अंतर्गत सीधी सरकारी नौकरी देने का कोई प्रावधान नहीं है। सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही होती है और यही व्यवस्था सभी शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।उन्होंने बताया कि विभाग का मुख्य फोकस युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है। औद्योगिक संगठनों और इंडस्ट्री एसोसिएशनों के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में अवसर दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है। प्रशिक्षण साझेदारों को लक्ष्य दिया गया है कि कम से कम 70 प्रतिशत प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। युवाओं को रोजगार से सीधे जोड़ने के लिए प्रत्येक नोडल आईटीआई में मासिक रोजगार मेले आयोजित किए जाते हैं, जबकि प्रत्येक तीन माह पर मंडल स्तरीय रोजगार मेले आयोजित होते हैं। प्रदेश में पांच बड़े रोजगार मेलों के आयोजन की योजना है, जिनमें प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी होगी। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें हुनरमंद बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना है। कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से युवाओं को व्यापक अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

भारतीय मूल की महिला नेता की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की तारीफ

अमेरिका। व्हाइट हाउस में ब्लैक हिस्ट्री मंथ का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल की प्रमुख नेता हरमीत कौर ढिल्लों की सराहना की। आइए जानते हैं कि उन्होंने किस वजह से की तारीफ? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय मूल की प्रमुख नेता हरमीत कौर ढिल्लों की सराहना की। यह कार्यक्रम ब्लैक हिस्ट्री मंथ के अवसर पर आयोजित किया गया था। इसमें ट्रंप ने अपने प्रशासन की उपलब्धियों, आपराधिक न्याय सुधार, अर्थव्यवस्था और की चर्चा ट्रंप ने दिवंगत नागरिक अधिकार नेता जेसी जैक्सन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ₹वह एक अलग तरह के व्यक्ति थे, कहा, ₹हरमीत इन मामलों पर नजर रख रही हैं। हरमीत कौर ढिल्लों का जन्म 1969 में हुआ, और उन्हें वर्ष 2025 में अमेरिकी न्याय विभाग के

लेकिन एक अच्छे इंसान थे। मैं उन्हें अपनी सर्वोच्च श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। समारोह में मौजूद अतिथियों और अधिकारियों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कानूनी मामलों पर चर्चा की और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों से जुड़े विवादों का जिक्र किया। इसी दौरान उन्होंने हरमीत ढिल्लों का जिक्र करते हुए सिविल राइट्स डिवीजन में सहायक अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे कैलिफोर्निया रिपब्लिकन पार्टी की उपाध्यक्ष और रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की कैलिफोर्निया प्रतिनिधि रह चुकी हैं। ट्रंप प्रशासन में इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति के साथ वे सबसे वरिष्ठ भारतीय-अमेरिकी अधिकारियों में शामिल हो गई हैं। ट्रंप ने ब्लैक अमेरिकियों के लिए किए गए कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके पहले कार्यकाल में लागू किया गया फर्स्ट स्टेप एक्ट ऐतिहासिक आपराधिक न्याय सुधार था। तीस वर्षों से अधिक समय तक कई लोग आपराधिक न्याय सुधार के लिए प्रयास कर रहे थे, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया था। ट्रंप ने ऐतिहासिक रूप से अश्वेत समुदाय के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लिए दीर्घकालिक वित्तीय सहायता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके प्रशासन ने लगभग 9,000 'ऑपर्च्युनिटी जोन' बनाए, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला। अर्थव्यवस्था पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस समय दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद से शेयर बाजार 53 बार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी इतिहास में आज जितने लोग काम कर रहे हैं, उतने पहले कभी नहीं थे और मजदूरी दर महंगाई से तेज बढ़ रही है। कार्यक्रम में ऐलिस मैरी जॉनसन ने भी संबोधन दिया। उनकी उम्रकैद की सजा ट्रंप के पहले कार्यकाल में कम कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ₹सिर्फ अमेरिका में ही मेरी जैसी कहानी संभव है। इस राष्ट्रपति ने मुझे जेल से व्हाइट हाउस तक पहुंचाया। क्या है ब्लैक हिस्ट्री मंथ ट्रंप ने अपने समापन वक्तव्य में कहा कि ब्लैक हिस्ट्री मंथ उन लोगों की विरासत का सम्मान करने का समय है, जिन्होंने समानता और न्याय के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एक सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध अमेरिका का निर्माण करना है। 'ब्लैक हिस्ट्री मंथ' हर वर्ष फरवरी में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के इतिहास, संघर्ष और योगदान को सम्मान देना है।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई, ममदानी बोले- इस बार तरीका मानवीय होगा

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में बेघर लोगों की समस्या लंबे समय से गंभीर स्थिति में है। पिछले मेयर एरिक एडम्स ने पुलिस की मदद से कैंप हटाए थे, लेकिन बहुत कम लोग शेल्टर में जाने को तैयार हुए। अब मेयर ममदानी का कहना है कि वह सख्ती नहीं, बल्कि भरोसे और समझाने के जरिए समाधान चाहते हैं। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए। अब फिर से क्यों शुरू हो रही है कार्रवाई? हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे। फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन? जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूली मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था 'बेघरों के लिए गठबंधन' के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से पहले सुरक्षा परिषद की मीटिंग, वेस्ट बैंक पर कब्जे को लेकर इस्त्राइल रहा निशाने पर

न्यूयॉर्क। गाजा और वेस्ट बैंक के मुद्दे पर बुधवार को न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद की बैठक हुई।

इस बैठक में वेस्ट बैंक में इस्त्राइल के कथित कब्जे की आलोचना की गई। गौरतलब है कि यह बैठक बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से एक दिन पहले हुई है। बोर्ड ऑफ पीस पर अभी दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों की बुधवार को बैठक हुई। इस बैठक में गाजा संघर्ष विराम समझौते को स्थायी बनाने की मांग की गई और साथ ही इस्त्राइल के वेस्ट बैंक में कब्जे की योजना की कड़ी आलोचना की गई। सुरक्षा परिषद ने इस्त्राइल की योजना को टू स्टेट सॉल्यूशन की संभावनाओं के लिए खतरा बताया। गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद की बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से एक दिन पहले हुई। सुरक्षा परिषद की बैठक में क्या हुआ न्यूयॉर्क में सुरक्षा परिषद का उच्च स्तरीय सत्र पहले गुरुवार को होना था, लेकिन बोर्ड ऑफ पीस की बैठक को देखते हुए इसे एक दिन पहले ही आयोजित किया गया। 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान अकेला ऐसा देश है, जिसने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का न्योता भी स्वीकार किया। सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान इस्त्राइल ने विवादित वेस्ट बैंक में इस्त्राइल द्वारा जमीन कब्जाने की कथित कोशिश की कड़ी आलोचना की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, 'वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण बढ़ाने के इस्त्राइल के हालिया गैर-कानूनी फैसले बहुत परेशान करने वाले हैं।' सुरक्षा परिषद की बैठक में पाकिस्तानी विदेश मंत्री के अलावा ब्रिटेन, इस्त्राइल, जॉर्डन, मिस्त्र और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री भी शामिल हुए। बीते दिनों कई अरब देशों ने अपील की थी कि बोर्ड ऑफ पीस की बैठक से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई जाए, जिसमें वेस्ट बैंक और गाजा पर चर्चा होनी चाहिए। बैठक में फलस्तीन के राजनयिक रियाद मंसूर ने कहा, जमीन कब्जाना यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सबसे बुनियादी नियमों का उल्लंघन है। यह राष्ट्रपति ट्रंप की योजना का उल्लंघन है, और गाजा में चल रही शांति कोशिशों के लिए भी बड़ा खतरा है।' इस्त्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने आरोप लगाया कि सुरक्षा परिषद इस्त्राइली विरोध से भरी हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि बाइबिल की धरती पर इस्त्राइल से ज्यादा मजबूत अधिकार किसी का नहीं है। सार ने ये भी कहा कि पूरी दुनिया की निगाहें बोर्ड ऑफ पीस की बैठक पर लगी हैं और सुरक्षा परिषद पर किसी का ध्यान नहीं है।

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस, ट्रंप ने कहा- ईरान पर हमले के लिए चाहिए

वॉशिंगटन। ब्रिटेन की सरकार ने डिएगो गार्सिया द्वीप मॉरीशस को देने का फैसला किया है। हालांकि ट्रंप इस फैसले से खुश नहीं हैं। अब एक बार फिर ट्रंप ने कहा है कि ब्रिटेन की सरकार का यह फैसला गलत है और उन्होंने ये भी कहा कि ईरान पर हमले के लिए उन्हें डिएगा गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। आइए जानते हैं कि ट्रंप ने ऐसा क्यों कहा... अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर

अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर क्या लिखा ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे (लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं।' ट्रंप ने आगे लिखा, 'अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है। प्रधानमंत्री स्टार्मर को किसी भी वजह से डिएगो गार्सिया पर अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहिए।' ट्रंप ने ये भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने लिखा, 'अगर ब्रिटेन से जमीन छीनी जाती है तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। हम ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत रहना होगा।' द्वीप को मॉरीशस को देने को तैयार हुआ ब्रिटेन मॉरीशस को साल 1968 में ब्रिटेन के शासन से आजादी मिली, लेकिन डिएगो गार्सिया द्वीप ब्रिटेन का उपनिवेश बना रहा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2019 के फैसले और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ब्रिटेन की सरकार ने साल 2025 में मॉरीशस के साथ हुए एक समझौते में चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को वापस लौटाने का फैसला किया। वहीं डिएगो गार्सिया द्वीप को 99 साल के पट्टे पर बरकरार रखने का फैसला किया, जहां ब्रिटेन का सैन्य अड्डा रहेगा। डिएगो गार्सिया द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम जगह पर है। यही वजह है कि ट्रंप इस द्वीप को छोड़ने के ब्रिटेन के फैसले के खिलाफ हैं।

परमाणु ताकत दिखाने में जुटा उत्तर कोरिया, किम जोंग ने 50 नए रॉकेट लॉन्चर किए तैनात

सियोल। उत्तर कोरिया अपनी सैन्य और परमाणु क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है, जिससे कोरियाई क्षेत्र में तनाव और बढ़ सकता है। बता दें कि, उत्तर कोरियाई शासक किम जोंग उन ने अपनी सेना की ताकत दिखाते हुए 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम माने जाते हैं। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन ने अपनी सेना की ताकत दिखाते हुए 50 नए रॉकेट लॉन्चर तैनात किए हैं। ये लॉन्चर ऐसे छोटे-दूरी वाले मिसाइल दाग सकते हैं जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम माने जाते हैं और दक्षिण कोरिया के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार, इन लॉन्चर वाहनों को एक बड़े समारोह में दिखाया गया। यह कदम सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी की आने वाली बड़ी बैठक (पार्टी कांग्रेस) से पहले उठाया गया है, जहां किम अपनी सेना को और मजबूत बनाने की नई योजनाएं घोषित कर सकते हैं। वहीं कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि ये गाड़ियां देश के 600-मिलीमीटर मल्टीप्लायर रॉकेट लॉन्चर सिस्टम को सपोर्ट करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के बड़े आर्टिलरी रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों के बीच का फर्क धुंधला कर देते हैं क्योंकि वे अपना थ्रस्ट खुद बना सकते हैं और डिलीवरी के दौरान गाइडेड होते हैं। वे किम के परमाणु-सक्षम शॉर्ट-रेंज हथियारों के बढ़ते कलेक्शन का हिस्सा हैं जिन्हें साउथ कोरिया में मिसाइल डिफेंस को हराने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरिया से बढ़ा तनाव वहीं किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि दक्षिण कोरिया के एक मंत्री ने कथित ड्रोन घुसपैठ पर माफी मांगी है, लेकिन उत्तर कोरिया अपनी सीमा सुरक्षा और मजबूत करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोबारा ड्रोन घुसपैठ हुई तो उत्तर कोरिया ताकत से जवाब देगा। दक्षिण और उत्तर कोरिया में क्यों खराब हैं रिश्ते? साल 2019 में अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच परमाणु वार्ता टूटने के बाद से दोनों कोरिया के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए। हाल के वर्षों में किम ने 'शांतिपूर्ण एकीकरण' की नीति छोड़कर दक्षिण कोरिया को दुश्मन देश घोषित कर दिया। रॉकेट लॉन्चर को लेकर क्या बोले किम जोंग उन? उत्तर कोरियाई शासक ने एक भाषण में कहा कि शानदार रॉकेट लॉन्चर एआई और एडवांस्ड गाइडिंग टेक्नोलॉजी से लैस हैं जो 'स्ट्रेटेजिक मिशन' को पूरा करने के लिए बनाए गए हैं, यह शब्द न्यूक्लियर मकसद को दिखाता है। उन्होंने कहा कि आने वाली कांग्रेस उनकी न्यूक्लियर-आर्म्ड मिलिट्री की कैपेबिलिटी को बढ़ाने के लिए नए प्लान जारी करेगी, जिसके पास पहले से ही एशिया में अमेरिका के सहयोगियों को टारगेट करने वाले कई सिस्टम और अमेरिका मेनलैंड तक पहुंचने में कैपेबल लॉन्ग-रेंज मिसाइलें हैं। उत्तर कोरिया सख्ती से जवाब देगा- किम यो जोंग अपने बयान में, किम की बहन, किम यो जोंग ने कहा कि वह कथित ड्रोन उड़ानों पर दक्षिण कोरिया के यूनिफिकेशन मंत्री चुंग डोंग-यंग की माफी को 'बहुत अहमियत देती हैं", लेकिन उन्होंने दोहराया कि अगर ऐसी उड़ानें दोबारा होती हैं तो उत्तर कोरिया सख्ती से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि देश की सेना दक्षिण कोरिया के साथ बॉर्डर पर निगरानी मजबूत करेगी।उन्होंने कहा, 'दुश्मन देश के साथ बॉर्डर स्वाभाविक रूप से मजबूत होना चाहिए।' चुंग ने बुधवार को कहा कि सियोल बॉर्डर पर तनाव कम करने के लिए 2018 के सस्पेंड किए गए अंतर-कोरियाई सेना समझौते को फिर से लागू करने पर विचार कर रहा है, जिसमें उत्तर कोरिया में और ड्रोन घुसपैठ को रोकने के उपायों के तहत नो-फ्लाई जोन भी शामिल है। उत्तर कोरिया ने पिछले महीने दक्षिण कोरिया पर सितंबर और फिर जनवरी में निगरानी ड्रोन उड़ाने का आरोप लगाने के बाद जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया द्वारा बताए गए समय के दौरान किसी भी ड्रोन को ऑपरेट करने से इनकार किया है, लेकिन कानून लागू करने वाले अधिकारी बॉर्डर इलाकों से नॉर्थ कोरिया में ड्रोन उड़ाने के शक में तीन आम लोगों की जांच कर रहे हैं।

दुनिया के दो हिस्सों में आया भूकंप, ईरान में 5.5 तीव्रता, तिब्बत में भी हिली धरती

ईरान। दुनिया के दो हिस्सों में गुरुवार को भूकंप आया। ईरान में 5.5 तीव्रता से धरती हिली। वहीं, तिब्बत में 4.3 मापी गई। गुरुवार को दो जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। तिब्बत और ईरान में। तिब्बत में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। इसकी गहराई 130 किलोमीटर रही। अमेरिका के साथ जंगी हालात के बीच दक्षिणी ईरान में भी 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप 19 फरवरी को सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर तिब्बत में अक्षांश 33.57 उत्तर और देशांतर 81.86 पूर्व में महसूस किया गया। हालांकि, इस भूकंप से जानमाल का कितना नुकसान हुआ है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ईरान में 6.21 मील की गहराई था एक तरफ न्यूक्लियर डील को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच भारी तनाव चल रहा है। हालात ऐसे हैं कि जंग के आसार भी बनते नजर आ रहे हैं। दूसरी तरफ भूकंप के झटके महसूस होने के बाद ऐसे सवाल उठ रहे हैं कि कहीं ईरान ने न्यूक्लियर परीक्षण तो नहीं कर लिया, जिसकी वजह से धरती हिली। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने एक अलग रीडिंग जारी की, जिसमें ईरान में आए भूकंप की तीव्रता 4.4 बताई गई। हालांकि, अधिकारियों की तरफ से फिलहाल तीव्रता को लेकर कोई आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने कहा कि दक्षिणी ईरान में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था। ईरान में एक ही महीने में दूसरी बार भूकंप इससे पहले रविवार, 1 फरवरी, की सुबह दक्षिणी ईरान में रिक्टर स्केल पर 5.3 तीव्रता का एक हल्का भूकंप आया। इस भूकंप को यूएई के समय के अनुसार सुबह 8:11 बजे महसूस किया गया।हालांकि, इसकी तीव्रता को देखते हुए इसे हल्का भूकंप माना जा सकता है, लेकिन इसकी जगह और गहराई ने इस बात में अहम भूमिका निभाई कि एनर्जी पूरे इलाके में कैसे फैली। ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया, जो ईरानी पठार में टेक्टोनिक एक्टिविटी के लिए एक आम गहराई है, जो अक्सर पड़ोसी अरब प्रायद्वीप के लिए एक बफर का काम करता है।

नाइजीरिया के खदान में जहरीली गैस का रिसाव; पुलिस बोली- 37 लोगों के मौत

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजीरिया में गैस रिसाव की घटना में 37 लोगो की मौत हो गई है। नाइजीरियाई पुलिस के मुताबिक, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि साइट पर क्या खनन किया जा रहा था। गैस रिसाव की चपेट में आए 26 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नाइजीरिया के एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव के कारण कई लोगों के हताहत होने की सूचना है। इस घटना को लेकर नाइजीरियाई पुलिस ने बताया है कि जहरीली गैस के रिसाव के कारण 37 लोगों के मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, गैस रिसाव के कारण प्रभावित हुए 26 लोगों को अस्पताल में भर्ती भी कराया गया है। कम्पानी जुराक समुदाय में घटना पुलिस के मुताबिक, उत्तर-मध्य नाइजीरिया की एक खदान में जहरीली गैस के रिसाव हुआ है। पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने एक बयान में बताया कि यह घटना मंगलवार तड़के पठार राज्य के वासे क्षेत्र में स्थित कम्पानी जुराक समुदाय में हुई। उन्होंने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खनिक सीसा ऑक्साइड और सल्फर और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी अन्य संबंधित गैसों के अचानक रिसाव से प्रभावित हुए, जो मनुष्यों के लिए जहरीली और हानिकारक हैं, खासकर बंद या कम हवादार वातावरण में।

आज शांति बोर्ड की बैठक की मेजबानी करेंगे ट्रंप, गाजा की स्थिति पर होगी चर्चा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को शांति बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें 20 सदस्य देशों द्वारा गाजा के लिए पांच अरब डॉलर के अनुदान और हजारों सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की घोषणा होगी। बैठक में गाजा में सुरक्षा बनाए रखने और समृद्धि लाने के उपायों पर चर्चा होगी। पढ़ें रिपोर्ट व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को शांति बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में 20 सदस्य देशों की ओर से गाजा के लिए पांच अरब डॉलर के अनुदान की घोषणा की जाएगी। लेविट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि शांति बोर्ड की बैठक में इस्त्राइल और हमास के बीच युद्ध के बाद गाजा में सुरक्षा बनाए रखने पर फोकस किया जाएगा। प्रेस सचिव ने बताया, कल ट्रंप, डोनाल्ड जे. ट्रंप इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में तीन बजे शांति बोर्ड की बैठक की मेजबानी करेंगे। (शांति बोर्ड के) सदस्य देशों ने गाजा में मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर देने का वादा है, इसमें उसकी घोषणा की जाएगी। इसके अलावा हजारों कर्मियों को अंतरराष्ट्रीय बल में तैनात करने की प्रतिबद्धता भी जताई गई है, ताकि गाजा में सुरक्षा और शांति बनी रहे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति अपनी टिप्पणियों के साथ बैठक की शुरूआत करेंगे और औपचारिक रूप से इसकी अध्यक्षता करेंगे। कल सुरक्षा बनाए रखने और समृद्धि पाने के तरीकों पर चर्चा भी होगी। शांति बोर्ड के वित्तीय फैसले कैसे होंगे? जब बोर्ड की वित्तीय फैसलों की प्रक्रिया के बारे में पूछा गया, तो लेविट ने कहा कि निर्णय शांति बोर्ड ही लेगा, जिसमें अध्यक्ष राष्ट्रपति हैं। सभी सदस्य फंडिंग को लेकर मतदान करेंगे और इसके बाद बोर्ड के तहत तकनीकी स्तर पर काम होगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या कहा?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।